GOVERNMENT OF KARNATAKA

DEPARTMENT OF SCHOOL EDUCATION (PRE-UNIVERSITY)

REVISED QUESTION BANK (2024-25)

SUBJECT – HINDI (03)

FIRST YEAR PUC

QUESTION BANK

COMMITTEE MEMBERS

HINDI-(03)

Sl. No	Name	College Address with Code	Role
1	Dr. SANTOSH KUMAR MISRA	Government PU College, 18^{TH} Cross, Malleshwaram, Bengaluru-560012, AN0014	Co-Ordinator
2	Dr. REYANA PARVIN	Government P U College, New Fort, Chamarajpet, Bengaluru- 560018 AS0113	Member
3	Dr. ANANTHARAM NAYAK	Government P U College, Hiriadka, /KPS Hiriadka, Udupi-576113 SU0025	Member
4	Dr. MADHAVI SANJAY BAGI	Jyoti P U College Camp Belagavi-590001 DDOO34	Member
5	PANDURANG N. KAMAT	Government Chintamanrao P.U. College, Shahapur, Belagavi- 590003 DD0024	Member

प्रथम सोपान–गद्य भाग

1. बड़े घर की बेटी

प्रेमचंद

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. ठाकुर बेनीमाधव सिंह के इतने बेटे थे–
   i) दो ii) तीन iii) एक iv) चार
2. बेनीमाधव सिंह अपनी आधी से अधिक संपत्ति इन्हें भेंट के रूप में दे चुके थे–
   i) सरकार को ii) लोगों को iii) वकीलों को iv) जमींदार को
3. ठाकुर साहब के बड़े बेटे का नाम यह था–
   i) लालबिहारी सिंह ii) लालसिंह iii) श्रीनाथ iv) श्रीकंठ सिंह
4. श्रीकंठ इस दिन घर आया करते थे–
   i) सोमवार को ii) शनिवार को iii) रविवार को iv) बृहस्पतिवार को
5. आनंदी के पिता का नाम यह है–
   i) रामसिंह ii) उदयसिंह iii) भूपसिंह iv) रूपसिंह
6. 'बड़े घर की बेटी' कहानी में थाली उठाकर इसने पलट दी–
   i) श्रीकंठ ने ii) लालबिहारी ने iii) आनंदी ने iv) बेनीमाधव सिंह ने
7. 'बड़े घर की बेटी' कहानी में गौरीपुर गाँव के जमींदार ये थे–
   i) बेनीमाधव सिंह ii) लालबिहारी iii) भूपसिंह iv) रामसिंह
8. 'बड़े घर की बेटी' कहानी के एक संदर्भ में इसकी आँखें लाल हो गयीं–
   i) श्रीकंठ की ii) लालबिहारी की iii) आनंदी की iv) बेनीमाधवसिंह की
9. बेनीमाधवसिंह के अनुसार बिगड़ता हुआ काम कौन बना लेती हैं?
   i) गरीब घर की बेटियाँ ii) बड़े घर की बेटियाँ
   iii) अपने घर की बेटियाँ iv) छोटे घर की बेटियाँ
10. 'बड़े घर की बेटी' कहानी के लेखक हैं–
    i) जयचंद ii) प्रेमचंद iii) यशपाल iv) विवेकी राय
11. श्रीकंठ ने इसकी डिग्री प्राप्त की थी–
    i) बी.ए ii) एम.ए iii) एम.कॉम iv) बी.कॉम
12. बेनीमाधव सिंह इस गाँव के जमींदार थे–
    i) गौरीपुर ii) जमनापुर iii) गंगापुर iv) सोनपुर

13. श्रीकंठ का विवाह इससे हुआ–

i) सुनीती ii) आनंदी iii) सुनंदा iv) महानंदा

14. आनंदी के स्वभाव में यह पाया जाता है–

i) ईर्ष्या ii) द्वेष iii) दया iv) घमंड

15. "बुद्धिमान लोग इन बातों पर ध्यान नहीं देते।" इस वक्तव्य में 'बुद्धिमान' किसे कहा गया है?

i) श्रीकंठ को ii) लालबिहारी को iii) आनंदी को iv) भूपसिंह को

16. 'कहते हैं, इस दरवाज़े पर हाथी झूमता था, अब उसकी जगह एक बूढ़ी भैंस थी।' इस कथन में यह दर्शाया गया है–

i) बदलती हुई मानसिक दशा ii) बिगड़ी हुई आर्थिक दशा

iii) पशुओं के प्रति दया iv) पशु–पालन के प्रति उत्साह

17. 'बड़े घर की बेटी' कहानी में श्रीकंठ के कमरे से शाम–सबेरे खरल की ध्वनि का सुनाई देना इस बात की ओर संकेत करता है–

i) चन्दन घिसना ii) आयुर्वेदिक औषधि तैयार करना

iii) मसाला तैयार करना iv) बादाम घिसना

18. श्रीकंठ बड़े उत्साह से इस त्योहार में सम्मिलित होते थे–

i) दीपावली ii) रामनवमी Iii) रामलीला iv) बुद्ध पूर्णिमा

19. भूपसिंह की सात संतान में आनंदी का स्थान था–

i) सातवाँ ii) दूसरा iii) पाँचवाँ iv) चौथा

20. प्रेमचंद के अनुसार गृहस्थी चलाने के मामले में किफायत किसे नहीं आती?

i) शिक्षित महिलाओं को ii) बड़े घर की बेटियों को

iii) छोटे घर की बेटियों को iv) देहाती स्त्रियों को

21. 'बड़े घर की बेटी' कहानी के अनुसार ऐसी संतान को कदाचित माता–पिता भी अधिक चाहते हैं–

i) होनहार ii) कमाऊ iii) सुन्दर iv) हँसमुख

22. लालबिहारी के इस व्यवहार में श्रीकंठ को 'अन्याय और हठ का प्रकोप' दिखता है–

i) आनंदी से चिड़िया पकाने के लिए कहना

ii) अपने शरीर गठन पर ध्यान देना

iii) पढ़ाई के प्रति उसकी रुचि न होना

iv) आनंदी की ओर खड़ाऊ दे मारना

23. 'बहू–बेटियों का यह स्वभाव अच्छा नहीं।' इस कथन में बेनीमाधव सिंह इस स्वभाव की तरफ इंगित करते हैं–

i) मैके का घमंड करना ii) अपने रूप का घमंड करना
iii) मर्दों के मुँह लगना iv) घर के काम के प्रति आलस दिखाना

24. लालबिहारी के लिए मुगदर की जोड़ी इसने बनवा दी थी–
i) आनंदी ने ii) श्रीकंठ ने iii) दोस्त ने iv) पत्नी ने

25. "जिसके गुमान पर भूली हुई हो, उसे भी देखूँगा और तुम्हें भी।" इस वाक्य के अनुसार लालबिहारी किसके प्रति क्रोध व्यक्त कर रहा है?
i) पड़ोसिन ii) अपनी पत्नी iii) आनंदी iv) नौकरानी

26. "अब मेरा मुँह नहीं देखना चाहते, इसलिए अब मैं जाता हूँ।" इस वाक्य के वक्ता हैं–
i) श्रीकंठ ii) लालबिहारी iii) भूपसिंह iv) बेनीमाधव सिंह

27. "मुझसे जो कुछ अपराध हुआ उसे क्षमा करना|" इस वाक्य में क्षमा माँगने वाला व्यक्ति है–
i) आनंदी ii) श्रीकंठ iii) लालबिहारी iv) बेनीमाधव सिंह

28. 'बड़े घर की बेटी' कहानी के अनुसार स्त्रियों से इसकी निंदा नहीं सही जाती–
i) मैके की ii) पति की iii) ससुराल की iv) बहन की

29. श्रीकंठ ऐसे परिवार के उपासक थे–
i) बंटे हुए परिवार ii) सम्मिलित परिवार iii) बड़े परिवार iv) छोटे परिवार

30. श्रीकंठ, स्त्रियों के इस स्वभाव को जाति और देश के लिए हानिकारक मानते हैं–
i) कुटुम्ब में मिल–जुल कर रहने की अरुचि ii) स्वावलम्बी बने रहने की रुचि
iii) शिक्षित बनने की लालसा iv) सुन्दर दिखने की इच्छा

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. बेनीमाधव सिंह के परिवार का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. आनंदी ने अपने ससुराल में क्या रंग–ढंग देखा?
3. लालबिहारी आनंदी पर क्यों बिगड़ पड़ा?
4. आनंदी बिगड़ता हुआ काम कैसे बना लेती है?
5. आनंदी का चरित्र–चित्रण कीजिए।
6. श्रीकंठ सिंह के स्वभाव पर प्रकाश डालिए।
7. भूपसिंह का परिचय दीजिए।
8. आनंदी के ब्याह का रिश्ता श्रीकंठ सिंह के साथ कैसे जुड़ा?
9. लालबिहारी का चरित्र–चित्रण कीजिए।
10. बेनीमाधव सिंह श्रीकंठ सिंह का गुस्सा शांत करने का प्रयास किस प्रकार करते हैं?
11. गौरीपुर गाँव वाले बेनीमाधव सिंह के परिवार के बारे में क्या सोचते थे?

III. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए:

1. अभी परसों घी आया है। इतना जल्दी उठ गया।
2. स्त्री गालियाँ सह लेती हैं, मार भी सह लेती हैं। पर मैके की निंदा उनसे नहीं सही जाती।
3. पर तुमने आजकल घर में यह क्या उपद्रव मचा रखा है?
4. उससे जो कुछ भूल हुई, उसे तुम बड़े होकर क्षमा करो।
5. बड़े घर की बेटियाँ ऐसी ही होती हैं। बिगड़ता हुआ काम बना लेती हैं।
6 मैके के सामने हम लोगों को कुछ समझती ही नहीं।
7. लालबिहारी को मैं अब अपना भाई नहीं समझता।
8. मुझसे जो कुछ अपराध हुआ, उसे क्षमा करना।

***

2. युवाओं से

स्वामी विवेकानंद

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. स्वामी विवेकानंद जी का विश्वास इन पर है–
   i) नई पीढ़ी के नवयुवकों पर ii) बुज़ुर्गों पर iii) बच्चों पर iv) पढ़े–लिखे युवकों पर
2. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार भारत के राष्ट्रीय आदर्श ये हैं–
   i) श्रद्धा और भक्ति ii) धर्म और कर्त्तव्य iii) त्याग और सेवा iv) शिक्षा और नीति
3. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार सबकी अपेक्षा उत्तम रूप से कार्य करने वाला व्यक्ति है–
   i) शक्तिशाली ii) स्वार्थी iii) निःस्वार्थी iv) दूरदर्शी
4. 'युवाओं से' पाठ के अनुसार इस शक्ति के सामने सब शक्तियाँ दब जाएँगी–
   i) इच्छा ii) ज्ञान iii) प्रेम iv) सत्ता
5. असंभव को संभव बनानेवाली चीज़ यह है–
   i) विश्वास ii) प्रेम iii) क्षमता iv) समर्पण
6. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार नास्तिक वह है जो–
   i) भगवान में विश्वास नहीं रखता ii) जो अपने आप में विश्वास नहीं रखता
   iii) जो सच्चाई में विश्वास नहीं रखता iv) जो परिश्रम में विश्वास नहीं रखता
7. 'युवाओं से' पाठ के अनुसार कमजोरी इसके समान है–
   i) हार के ii) मृत्यु के iii) नरक के iv) कायरता के
8. स्वामी विवेकानंद जी तरुणों को सबसे पहले यह बनने का सुझाव देते हैं–

i) होनहार ii) सुन्दर iii) शक्तिमान iv) मजबूत

9. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार प्रत्येक आत्मा यह है–

i) परमात्मा ii) महेश्वर iii) आनंदमय iv) अव्यक्त ब्रह्म

10. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार युवकों को इसकी तरह सहनशील होना चाहिए–

i) जननी ii) पृथ्वी माता iii) गोमाता iv) गंगा माता

11. 'युवाओं से' पाठ में इसके पुनरुत्थान के बारे में कहा गया है–

i) भारतवर्ष के ii) मंदिरों के iii) शिक्षालयों के iv) धर्मों के

12. 'युवाओं से' पाठ के लेखक हैं–

i) स्वामी दयानंद ii) स्वामी विवेकानंद iii) स्वामी परमानंद iv) स्वामी आत्मानंद

13. स्वामी विवेकानंद जी का मानना है– प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा उपयुक्त बनाया जा सकता है–

i) प्रशिक्षण से ii) नियमों से iii) शिक्षा से Iv) परिश्रम से

14. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार भय इसका कारण बनता है–

i) अज्ञान का ii) पतन का iii) उत्थान का iv) कायरता का

15. 'युवाओं से' पाठ के अनुसार हमारे स्वभाव में इसका अभाव है–

i) संयम का ii) सामंजस्य का iii) संगठन का iv) सुधार का

16. स्वामी विवेकानंद जी का विचार है कि भारत का पुनरुत्थान इस शक्ति से होगा–

i) आत्मा की शक्ति से ii) शारीरिक शक्ति से

iii) आशीर्वचनों की शक्ति से iv) धार्मिक शक्ति से

17. अमेरिका की धार्मिक महासभा में भाग लेना, स्वामी विवेकानंद जी के लिए यह था–

i) परम सौभाग्य ii) स्वदेश–हितैषी होने की पहली सीढ़ी

iii) विदेश जाने का पहला अवसर iv) अपने ज़ान को प्रदर्शित करने का अवसर

18. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार अपने भाग्य का निर्माता यह है–

i) ईश्वर ii) माँ–बाप iii) शिक्षक iv) व्यक्ति स्वयं

19. स्वामी विवेकानंद जी ने अपना संपूर्ण जीवन इसके लिए समर्पित कर दिया है–

i) भारत की स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए

ii)अपने आदर्श को कार्यान्वित करने के लिए

iii) लोगों को धार्मिक पाठ पढ़ाने के लिए

iv) विदेश भ्रमण करने के लिए

20. "मैं अपने सामने यह सजीव दृश्य अवश्य देख रहा हूँ कि हमारी यह वृद्ध माता पुनः एक बार जाग्रत होकर अपने सिंहासन पर नवयौवनपूर्ण और पूर्व की अपेक्षा अधिक महिमान्वित होकर विराजी है" इस कथन में 'वृद्ध माता' किसे कहा गया है?

i) पृथ्वी को Ii) नैतिकता को iii) प्रकृति माता को iv) भारत देश को

21. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार भीतर की शक्ति ऐसे जाग उठती है–

i) स्वयं के बारे में सोचने से ii) दूसरों के बारे में सोचने से

iii) पूजा–पाठ करने से iv) धर्म–ग्रंथ पढ़ने से

22. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार मनुष्य कब बुद्ध बन जाता है?
    i) जब पूर्ण रूप से निःस्वार्थ होगा ii) जब खूब धन कमाएगा
    iii) जब वन में जाकर तप करेगा iv) जब धार्मिक क्रियाओं में व्यस्त रहेगा
23. जो भूखे और अशिक्षितों की तरफ ध्यान नहीं देता उसे स्वामी विवेकानंद जी यह समझते हैं–
    i) देशद्रोही ii) समाजद्रोही iii) विश्वासघातक iv) स्वार्थी
24. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार मरते दम तक हमारे मन में इनके प्रति सहानुभूति होनी चाहिए–
    i) अपने दोस्तों के प्रति ii) गरीबों और पददलितों के प्रति
    iii) परिवार के प्रति iv) स्त्रियों के प्रति
25. 'युवाओं से' पाठ के अनुसार जो भूखे और असभ्य लोगों के लिए कुछ नहीं करते वे इसके पात्र हैं–
    i) घृणा के ii) उपेक्षा के iii) क्रोध के iv) सहानुभूति के
26. स्वामी विवेकानंद जी युवकों को 'थाती' के तौर पर यह अर्पित करते हैं–
    i) अपनी अर्जित की गई संपत्ति ii) अपना संपूर्ण साहित्य
    iii) गरीबों, भूखों और उत्पीड़ितों के लिए सहानुभूति iv) अपना संपूर्ण ज्ञान
27. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार बल और सहायता यहाँ से प्राप्त होती है–
    i) अपने भीतर से ii) मित्रों से Iii) परिवार से iv) साहसी पुरुषों से
28. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार 'जाति' की परिभाषा क्या है?
    i) पूजा–पाठ की गति–विधि ii) व्यक्तियों की समष्टि
    iii) नीति–नियमों का समन्वय iv) निर्दिष्ट मान्यताओं का स्वरूप
29. दुनिया तभी पवित्र और अच्छी हो सकती है जब–
    i) स्वयं अमीर हों ii) लोगों को पवित्र और अच्छे होने का सुझाव दो
    iii) हम स्वयं अच्छे और पवित्र हों iv) अपवित्र और बुरे लोगों को दंडित करो
30. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार 'संगठन' का रहस्य यह है–
    i) समझौता करने का प्रयास ii) नेतागिरी करने का प्रयास
    iii) जोर–जबर्दस्ती करके संगठित रखने का प्रयास iv) उपदेश देने का प्रयास

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. भारतवर्ष का पुनरुत्थान कैसे होगा?
2. त्याग और सेवा के बारे में स्वामी विवेकानंद जी के क्या विचार हैं?
3. स्वदेश–भक्ति के बारे में स्वामी विवेकानंद जी का आदर्श क्या है?
4. सर्व धर्म सहिष्णुता के बारे में स्वामी विवेकनंद जी के विचार लिखिए।
5. शिक्षा के बारे में स्वामी विवेकानंद जी क्या कहते हैं?

6. ‘युवाओं से’ पाठ के आधार पर भारत माता की महानता के बारे में लिखिए।
7. ‘राष्ट्र निर्माण’ में स्वामी विवेकानंद जी के योगदान पर प्रकाश डालिए।
8. युवाओं को शक्तिशाली बनने की प्रेरणा देते हुए स्वामी विवेकानंद जी क्या कहते हैं?
9. स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार स्वदेश–भक्ति की प्रथम सीढ़ी पर पैर रखने के क्या लक्षण हैं?

III. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए:

1. ‘यह याद रखो कि तुम स्वयं अपने भाग्य का निर्माता हो।’
2. उठो, जागो और तब तक रुको नहीं, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।’
3. ‘भय से ही दुःख होता है, यह मृत्यु का कारण है तथा इसी के कारण सारी बुराई तथा पाप होता है।’
4. ‘ढोंगी बनने की अपेक्षा स्पष्ट रूप से नास्तिक बनना अच्छा है।’
5. ‘मैं तुम सबसे यही चाहता हूँ कि तुम आत्मप्रतिष्ठा, दलबंदी और ईर्ष्या को सदा के लिए छोड़ दो।’
6. ‘शक्ति ही जीवन और कमजोरी ही मृत्यु है।’
7. ‘नेता बनने की इस क्रूरता ने बड़े–बड़े जहाजों को इस जीवन रूपी समुद्र में डुबो दिया है।’

***

3. निन्दा रस

हरिशंकर परसाई

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. मित्र ‘क’ की भुजाओं में जकड़े हरिशंकर परसाई जी को इसकी याद आ रही थी–
   i) अजगर की जकड़ में फंसे हिरन की
   ii) धृतराष्ट्र की भुजाओं में जकड़े भीम के पुतले की
   iii) अपनी माँ की बाहों में जकड़े बच्चे की
   iv) हाथी की सूँड़ में जकड़े प्राणी की
2. ‘निन्दा रस’ पाठ में चित्रित ‘क’ ‘ग’ के साथ बैठकर यह करता रहा–
   i) निन्दा ii) गपशप iii) विचार–विमर्श iv) झगड़ा
3. हरिशंकर परसाई जी का मित्र इस में पूरा है–
   i) चालबाजी में ii) धोखा–धड़ी में iii) अभिनय में iv) मज़ाक करने में
4. ‘निन्दा रस’ पाठ के अनुसार कुछ लोग आदतन यह बोलते हैं–
   i) झूठ ii) सच iii) मीठा iv) कड़ुआ

5. हरिशंकर परसाई जी का मित्र 'क' इस प्रकार का मिथ्यावादी है–
    i) असहज–अस्वाभाविक   ii) निर्दोष, सहज–स्वाभाविक
    iii) ईर्ष्यालु और द्वेषी   iv) क्रोधी और घमंडी
6. 'निन्दा रस' पाठ में 'क' ने लेखक से इसकी निन्दा की–
    i) अपने ससुराल की   ii) अपने किसी शत्रु की
    iii) अपने मित्र 'ग' की   Iv) गाँव के लोगों की
7. हरिशंकर परसाई जी के मित्र 'क' के पास इनका 'केटलाग' है–
    i) चित्रों का ii) दोषों का iii) नामों का iv) मकान के नक्शों का
8. 'मैं अपने विरोधियों के नाम लेता गया और वह उन्हें निन्दा की तलवार से काटता चला।' इस वाक्य में 'निन्दा की तलवार से काटने' का अर्थ है–
    i) किसी की हत्या करना   ii) किसी के चरित्र पर आघात करना
    iii) विरोधियों को रास्ते से हटाना   iv) किसी का जीवन नष्ट करना
9. 'दुश्मनों को रणक्षेत्र में एक के बाद एक कटकर गिरते हुए देखकर योद्धा को ऐसा ही सुख होता होगा!' इस कथन में लेखक हरिशंकर परसाई जी किस सुख की बात करते हैं–
    i) अपनी प्रशंसा सुनकर मिलने वाला सुख
    ii) दुश्मन को नष्ट होते हुए देखने का सुख
    iii) दुश्मनों की निन्दा सुनने का सुख
    iv) दुश्मन को अपने से दूर होते हुए देखने का सुख
10. 'निंदा रस' पाठ के अनुसार भेद कब स्पष्ट होता है?
    i) रात्रि के अंधकार में ii) दिन के उजाले में iii) जागरण में iv) सुप्तावस्था में
11. 'निंदा रस' पाठ के लेखक के मन में इसके प्रति मैल नहीं रहा–
    i) आत्मीय मित्र के प्रति   ii) निंदक मित्र 'क' के प्रति
    iii) मित्र 'ग' के प्रति   iv) रिश्तेदार के प्रति
12. 'निंदा रस' पाठ के अनुसार निंदकों की जैसी एकाग्रता इनमें दुर्लभ है–
    i) भक्तों में ii) संतों में iii) तपस्वियों में iv) चिंतकों में
13. संतों ने निन्दकों को यहाँ रखने की सलाह दी है–
    i) अपने से दूर   ii) गाँव से बाहर
    iii) आँगन में कुटी बनाकर अपने पास   iv) जंगल में
14. 'निन्दा रस' पाठ के अनुसार इन निन्दकों का किसी से बैर–द्वेष नहीं होता–
    i) मिशनरी निन्दक ii) संघ के निन्दक iii) कमजोर निन्दक iv) ईर्ष्या से प्रेरित निन्दक
15. 'निंदा रस' पाठ के अनुसार मिशनरी निन्दक चौबीसों घंटे निन्दा करने में इस भाव से लगे रहते हैं–
    i) कुत्सित भाव से ii) पवित्र भाव से iii) आनंद से iv) उदास भाव से

16. मिशनरी निन्दकों की निर्लिप्तता और निष्पक्षता इसी से मालूम होती है कि वे प्रसंग आने पर इनकी पगड़ी भी आनंद से उछालते हैं–
    i) मित्र की ii) दुश्मन की iii) परिवार की iv) अपने आप की
17. 'निंदा रस' पाठ के अनुसार मिशनरी निन्दकों के लिए 'निन्दा' यह होती है–
    i) परेशानी ii) शक्ति iii) टॉनिक iv) ज़हर
18. 'निन्दा रस' पाठ के अनुसार निन्दकों के संघ के सदस्य ये लोग होते हैं–
    i) जो निन्दा से आनंद लेना चाहते हैं
    ii) जिनके पास करने को कोई काम नहीं होता
    iii) जो अपने शत्रुओं को नीचा दिखाना चाहते हैं
    iv) जो ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित हैं
19. 'यार आजकल लोग तुम्हारे बारे में बहुत बुरा–बुरा कहते हैं।' यह वाक्य इनके द्वारा कहा गया है–
    i) लेखक ii) निन्दक मित्र 'क'
    iii) एक मिशनरी निन्दक iv) निन्दकों के एक संघ के अध्यक्ष
20. 'निन्दा रस' पाठ के अनुसार इस प्रकार का निन्दक बड़ा दुःखी होता है–
    i) मिशनरी निन्दक ii) संघ का निन्दक
    iii) ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दक iv) निठल्ला निन्दक
21. हरिशंकर परसाई जी के अनुसार निन्दा का उद्‌गम इससे होता है–
    i) परेशानी और दुःख से ii) हीनता और कमजोरी से
    iii) दुर्दशा और दरिद्रता से iv) बेईमानी और धोखेबाज़ी से
22. 'अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात श्वान जैसा भौंकता है।' 'निन्दा रस' पाठ में यह कथन इसके लिए कहा गया है–
    i) मिशनरी निन्दक के लिए ii) निन्दक मित्र 'क' के लिए
    iii) निन्दकों के संघ के सदस्य के लिए iv) ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दक के लिए
23. 'निन्दा रस' पाठ के अनुसार मनुष्य इससे दबता है–
    i) परेशानी से ii) अपनी हीनता से iii) शक्तिशाली व्यक्ति से iv) परिवार से
24. हरिशंकर परसाई जी के अनुसार निन्दा की प्रवृत्ति इससे बढ़ती है–
    i) कर्म क्षीण होने पर ii) दूसरों की प्रगति से iii) खुद की अवनति से iv) कायरता से
25. इन्द्र इसलिए ईर्ष्यालु माना जाता है–
    i) उसमें प्रभाव कम है ii) वह निठल्ला है
    iii) वह देवों का राजा है iv) दूसरे देव उससे शक्तिशाली हैं
26. 'निन्दा सबद रसाल' कहने वाले कवि ये हैं–
    i) रैदास ii) सूरदास iii) तुलसीदास iv) कबीरदास

27. हरिशंकर परसाई जी के अनुसार–'छल का धृतराष्ट्र आलिंगन करें तो यही आगे बढ़ाना चाहिए।'
    i) अपने शरीर को ii) अपने पुतले को iii) अपने मन को iv) किसी अन्य व्यक्ति को
28. 'निन्दा रस' पाठ के अनुसार निन्दा कुछ लोगों की यह होती है–
    i) पूँजी ii) शक्ति iii) आदत iv) दिनचर्या
29. 'निन्दा रस' पाठ में कहा गया है कि कई निन्दक जिस–तिस की कल्पित कलंक कथा सुनाकर स्वयं को यह समझते हैं_
    i) धन्ना सेठ ii) पूर्ण संत Iii) महात्मा iv) परमात्मा
30. 'निन्दा रस' पाठ के लेखक ये हैं–
    i) प्रेमचंद ii) विवेकी राय iii) विष्णु प्रभाकर iv) हरिशंकर परसाई

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. धृतराष्ट्र का उल्लेख लेखक ने क्यों किया है?
2. निन्दा की महिमा का वर्णन कीजिए।
3. 'मिशनरी निन्दक से लेखक का क्या तात्पर्य है?
4. निंदकों के संघ के बारे में लिखिए।
5. ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दकों की कैसी दशा होती है?
6. निन्दा को पूँजी बनानेवालों के बारे में लेखक ने क्या कहा है?
7. 'निन्दा रस' निबंध का आशय अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।
8. लेखक अपने मित्र 'क' के बारे में क्या कहते हैं?
9. निंदा के उद्‌गम के बारे में हरिशंकर परसाई जी के क्या विचार हैं?
10. निन्दा की प्रवृत्ति कैसे बढ़ती जाती है?

III. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए:

1. 'आ बेटा, तुझे कलेजे से लगा लूँ!'
2. 'अभी सुबह की गाड़ी से उतरा और एकदम तुमसे मिलने चला आया।'
3. 'कुछ लोग बड़े निर्दोष मिथ्यावादी होते हैं।
4. 'निन्दा का उद्‌गम ही हीनता और कमजोरी से होता है।'
5. 'ज्यों–ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है त्यों–त्यों निन्दा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है।'
6. 'ईर्ष्या–द्वेष से चौबीसों घंटे जलता है और निन्दा का जल छिड़ककर कुछ शांति अनुभव करता है।।'
7. 'बड़ा खराब ज़माना आ गया।'
8. 'अद्‌भुत है मेरा मित्र! उसके पास दोषों का केटलाग है।'
9. 'बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बड़ी लकीर बनती है।''
10. 'कठिन कर्म ही ईर्ष्या–द्वेष और उनसे उत्पन्न निन्दा को मारता है।'

4. बिन्दा

महादेवी वर्मा

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. महादेवी वर्मा की बाल्य सखी का नाम यह है–
   i) वृन्दा ii) बिन्दा iii) नन्दा iv) चन्दा
2. महादेवी वर्मा को इसका अनुभव बहुत संक्षिप्त था–
   i) संसार का ii) घरेलू कामों का iii) रिश्तों का iv) खेल–कूद का
3. बाल्यावस्था में महादेवी वर्मा को इसका अंतर नहीं मालूम था–
   i) जीवन–मृत्यु का ii) सुख और दुःख का
   iii) प्रेम और घृणा का iv) दोस्ती और दुश्मनी का
4. नाना और दादी के स्वर्ग–गमन की बात सुनकर बालिका महादेवी वर्मा ने यह निश्चय किया–
   i) उनको याद करती रहूँगी ii) उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करूँगी
   iii) बड़ी होने पर उनको देखने जाऊँगी iv) उनको भुला दूँगी
5. 'बिन्दा' रेखाचित्र में गौरैया का घोंसला यहाँ पाया जाता है–
   i) आँगन के पेड़ पर ii) घर की छत पर iii) बड़ी तस्वीर के पीछे iv) घर के कोने में
6. अपने आस–पास के पशु–पक्षियों तथा भिखारिन को अपने बच्चों की देख–भाल करते हुए देखकर बालिका महादेवी वर्मा ने यह समझा–
   i) बच्चों की देख–भाल करना माँ का कर्त्तव्य है
   ii) संसार का सारा कारबार बच्चों की देखभाल के लिए हो रहा है
   iii) बच्चे माँ के बगैर नहीं रह सकते
   iv) बच्चों की देख–भाल करना कठिन कार्य है
7. महादेवी वर्मा के अनुसार 'माँ' नामधारी जीवों को यह काम सौंपा गया है–
   i) खाना पकाने का ii) घर की साफ–सफाई करने का
   iii) बच्चों की देख–भाल करने का iv) अपना ख्याल रखने का
8. बिन्दा अपनी माँ को यह कहती थी–
   i) नयी अम्मा ii) पंडिताइन iii) माँ iv) सौतेली अम्मा
9. बिन्दा के भाई मोहन की आँखें ऐसी थीं–
   i) काली चमकदार ii) नीले काँच के बटन सी
   iii) हरे काँच के बटन सी iv) भूरे रंग की
10. महादेवी वर्मा बिन्दा की माँ को यह कहती थी–
   i) पड़ोस वाली चाची ii) बिन्दा की अम्मा iii) पंडिताइन मौसी iv) पंडिताइन चाची
11. पंडिताइन चाची के अलंकार उन्हें इसकी समानता देते थे–

i) गुलदस्ते की ii) गुड़िया की iii) नृत्यांगना की iv) जोकर की

12. 'बिन्दा' पाठ में 'अभागी मरती भी नहीं' यह वाक्य इस के लिए कहा गया है–

i) पंडिताइन चाची ii) बिन्दा iii) रुकिया iv) बरौनी

13. बिन्दा के काम बालिका महादेवी वर्मा को ऐसे लगते थे–

i) बाज़ीगर के तमाशे जैसे ii) जादूगर के जादू जैसे
iii) सर्कस के खेल जैसे iv) मदारी के तमाशे जैसे

14. बालिका महादेवी वर्मा के नटखटपन को रोकने के लिए इसकी सुशीलता का उदाहरण दिया जाता था–

i) रुकिया की ii) बिन्दा की iii) मोहन की iv) पड़ोसिन की

15. बिन्दा के दुबले हाथ–पैर इससे अवसन्न रहते थे–

i) ठंड से ii) गर्मी से iii) अज्ञात भय से iv) दर्द से

16. बिन्दा इस स्वर से थरथरा उठती थी–

i) कुत्ते के भौंकने के ii) पंडिताइन चाची के iii) पंडितजी के iv) मोहन के

17. बिन्दा की आँखें महादेवी वर्मा को इसकी याद दिलाती थीं–

i) शेर की जकड़ में फँसी हिरनी की ii) पिंजड़े में बन्द चिड़िया की
iii) कारावास में बन्द कैदी की iv) कमरे में बन्द लड़की की

18. बिन्दा ने तारे गिनते–गिनते एक चमकीले तारे की ओर उँगली करके यह कहा–

i) वह रहा सबसे बड़ा तारा ii) वह रही मेरी अम्मा
iii) वह रहा सबसे चमकीला तारा iv) तुम कभी तारा न बनना

19. बिन्दा को महादेवी वर्मा का यह उपाय जँचा नहीं–

i) नयी अम्मा को पुरानी अम्मा कहना ii) नयी अम्मा को पंडिताइन चाची कहना
iii) नयी अम्मा को छोड़कर चले जाना iv) पिता से नयी अम्मा की शिकायत करना

20. महादेवी वर्मा ने रात को अपनी माँ से अनुनय पूर्वक यह कहा–

i) तुम कभी मुझे छोड़कर न जाना ii) तुम कभी मुझे नहीं डाँटना
iii) तुम कभी तारा न बनना iv) तुम कभी पंडिताइन चाची न बनना

21. बालिका महादेवी वर्मा के अनुसार उनका दूध, बिस्कुट, जलेबी कब बन्द होगा?

i) जब नयी अम्मा आएगी ii) जब वह बीमार पड़ेगी
iii) जब वह शरारत करेगी iv) जब माँ नाराज़ होंगी

22. महादेवी वर्मा इसके न्यायालय से मिलने वाले दण्ड से परिचित थीं–

i) भगवान के ii) पंडिताइन चाची के iii) पंडितजी के iv) पुरानी अम्मा के

23. महादेवी वर्मा ने बिन्दा को यहाँ बन्धा पाया था–

i) पेड़ से ii) चौक के खम्भे से iii) आँगन के खम्भे से iv) दीवार से

24. भूख से मुरझाए मुख से बिन्दा को पहरों नयी अम्मा और मोहन को पंखा झलते इसने देखा था–

i) पंडित जी ने ii) महादेवी वर्मा ने iii) रुकिया ने iv) वर्मा जी की माँ ने

25. नयी अम्मा द्वारा बिन्दा के बाल इस कारण कटे थे–
   i) लम्बे होने के कारण   ii) साफ करने में समस्या होने के कारण
   iii) पंडित जी की थाली में बाल मिलने के कारण iv) बिन्दा ने चाहा इसलिए
26. गरम दूध के गिरने से जले पैर के साथ आई बिन्दा ने महादेवी वर्मा से इसकी आवश्यकता बताई–
   i) दवा लगाने की   ii) ठंडा पानी डालने की
   iii) उसे कहीं छिपा देने की iv) अस्पताल ले जाने की
27. महादेवी वर्मा ने बिन्दा को इस कमरे में छिपाया–
   i) जिसमें गाय के लिए घास भरी जाती है ii) जिसमें पुराना सामान रखा जाता है
   iii) रसोई में   iv) गुसल खाने में
28. महादेवी वर्मा को इसकी पत्तियाँ चुभ रही थीं–
   i) घास की   ii) आम की   iii) नारियल की   iv) गुलाब की
29. बिन्दा के पैर में तिल का तेल इन्होंने लगाया–
   i) पंडिताइन चाची ने ii) महादेवी वर्मा की माँ ने iii) पंडित जी ने iv) महादेवी वर्मा ने
30. बिन्दा को लगी चेचक के लिए रुकिया ने इस शब्द का इस्तेमाल किया–
   i) महामारी   ii) महाराजा   iii) महारानी   iv) देवी
31. महादेवी वर्मा के लिए यह त्रिकालदर्शी से कम नहीं थी–
   i) उनकी माँ   ii) बिन्दा   iii) पंडिताइन चाची   iv) रुकिया
32. चेचक से पीड़ित बिन्दा का काम यह करती थी–
   i) नयी अम्मा   ii) महादेवी वर्मा   iii) बरौनी   iv) रुकिया
33. बिन्दा के घर के सामने जमी भीड़ से महादेवी वर्मा ने यह सोचा–
   i) पंडितजी का ब्याह हो रहा है   ii) बिन्दा का ब्याह हो रहा है
   iii) कोई त्योहार मनाया जा रहा है   iv) कोई अनहोनी घटना घटी है
34. महादेवी वर्मा को अपनी माँ से बिन्दा के यहाँ जाने की बात पता चली–
   i) ससुराल   ii) रिश्तेदार के घर
   iii) अपनी आकाशवासिनी अम्मा के पास   iv) अपनी दादी के घर
35. 'बिन्दा' इस विधा का लेख है–
   i) कहानी   ii) एकांकी   iii) रेखाचित्र   iv) संस्मरण
36. 'बिन्दा' रेखाचित्र की लेखिका हैं–
   i) मन्नू भंडारी   ii) महादेवी वर्मा   iii) अरुंधति रॉय   iv) अनिता देसाई

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. महादेवी वर्मा को बिन्दा की याद क्यों आ गई?
2. महादेवी वर्मा को पंडिताइन चाची का कौन–सा रूप आकर्षित करता था?

3. महादेवी वर्मा के कभी–कभी छत पर जाकर देखने पर बिन्दा क्या–क्या करते दिखाई देती थी?
4. बिन्दा अपनी नयी अम्मा से किस प्रकार डरती थी?
5. महादेवी वर्मा ने दोपहर के समय सबकी आँख बचाकर बिन्दा के घर पहुँचने पर क्या देखा?
6. बिन्दा के घर के सामने भीड़ देखकर लेखिका के मन में क्या विचार आने लगे?
7. 'संसार का सारा कारबार बच्चों को खिलाने–पिलाने, सुलाने आदि के लिए ही हो रहा है।' ये विचार महादेवी वर्मा के मन में क्यों आए?
8. पंडिताइन चाची का चरित्र–चित्रण कीजिए।
9. बिन्दा के रूप–रंग का चित्रण कीजिए।
10. महादेवी वर्मा ने बिन्दा को घास की कोठरी में क्यों छिपाया?
11. सबकी आँख बचाकर बिन्दा के घर पहुँचने पर महादेवी वर्मा ने वहाँ क्या देखा?
12. बिन्दा के घर के सामने की भीड़ देखकर महादेवी वर्मा ने क्या सोचा?

III. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए:

1. 'उठती है या आऊँ', 'बैल के से दीदे क्या निकाल रही है', 'मोहन का दूध कब गर्म होगा', 'अभागी मरती भी नहीं आदि।
2. 'तुम नयी अम्मा को पुरानी अम्मा क्यों नहीं कहती, फिर वे न नयी रहेंगी और न डाँटेंगी।'
3. ...पंडिताइन चाची के न्यायविधान में न क्षमा का स्थान था, न अपील का अधिकार।'
4. 'नहीं, यह तो गत आषाढ़ में चौदह की हो चुकी।'
5. 'आँखें गड्ढे में धंस गयी थीं, मुख दानों से भर कर न जाने कैसा हो गया था।'
6. 'तब क्या उस घर में विवाह हो रहा है, और हो रहा है तो किसका?'
7. 'क्या पंडिताइन चाची तुम्हारी तरह नहीं हैं?'
8. 'तुम कभी तारा न बनना, चाहे भगवान कितना ही चमकीला तारा वनावें।'
9. 'वह रही मेरी अम्मा!'

***

5. बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर

शांति स्वरूप बौद्ध

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. डॉ. अंबेडकर का जन्म दिवस यह है–

    i) 14 अप्रैल 1891 ii) 14 जून 1891 iii) 14 अप्रैल 1898 iv) 14 अप्रैल 1981

2. डॉ. अंबेडकर की माता का नाम यह है–

i) जीजाबाई ii) भीमाबाई iii) रमाबाई iv) शांताबाई

3. रामजी सूबेदार इस गाँव के सूबेदार थे–

i) रेवा ii) मांडला iii) महू Iv) मुंगोलि

4. भीमराव ने मेट्रिक परीक्षा इस साल में पास की–

i) सन् 1907 में ii) सन् 1910 में iii) सन् 1917 में iv) सन् 1912 में

5. कृष्णजी अर्जुन केलुस्कर ने भीमराव को यह पुस्तक भेंट दी–

i) विनय पिटक ii) बौद्धधर्म–दर्शन iii) बुद्ध, जीवन और दर्शन iv) बुद्ध जीवनी

6. भीमराव का विवाह इनके साथ हुआ–

i) अहिल्याबाई ii) रमाबाई iii) मीराबाई iv) मुक्ताबाई

7. भीमराव जब कॉलेज में पढ़ रहे थे तब बड़ौदा के महाराजा थे–

i) सयाजीराव गायकवाड ii) फतेसिंह राव iii) मानाजी राव iv) गोविंद राव

8. भीमराव की उच्च शिक्षा के लिए महाराजा सयाजीराव गायकवाड जी ने इतने रुपयों की छात्रवृत्ति प्रदान की–

i) 35/– मासिक ii) 200/– मासिक iii) 25/–` मासिक iv) 800/– मासिक

9. जन्म के समय अंबेडकर का नाम था–

i) भीमराव ii) भीमा iii) भीवा iv) अंबावाडे

10. रामजी सूबेदार ने भीमराव को इसका महत्त्व भली प्रकार समझाया–

i) पैसों का ii) सत्ता का iii) शिक्षा और अनुशासन का iv) जाति और धर्म का

11. स्कूली शिक्षा के समय भीमराव को इस समस्या का सामना करना पड़ा–

i) सामाजिक भेदभाव और छुआछूत की ii) खाना और पानी की
iii) भाषा की iv) समय के अभाव की

12. उच्च शिक्षा के लिए भीमराव बंबई के इस कॉलेज में दाखिल हुए–

i) कालसा कालेज ii) सोफिया कालेज iii) एलफिंस्टन कालेज iv) सिडेनहम कालेज

13. भीमराव ने इस वर्ष में बी.ए. की परीक्षा पास की–

i) सन् 1912 ii) सन् 1914 iii) सन् 1916 iv) सन् 1907

14. बड़ौदा रियासत ने मेधावी छात्रों के लिए यह योजना बनाई–

i) सम्मानित करने की ii) नौकरी प्राप्ति की iii) आर्थिक सहायता की
iv) उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजने की

15. भीमराव न्यूयार्क में इस विश्वविद्यालय में दाखिल हुए–

i) न्यूयार्क विश्वविद्यालय ii) कोलम्बिया विश्वविद्यालय
iii) येशिवा विश्वविद्यालय iv) कोर्नेल विश्वविद्यालय

16. भीमराव ने इस वर्ष में पी एच डी की डिग्री प्राप्त की–

i) सन् 1916 ii) सन् 1913 iii) सन् 1926 iv) सन् 1918

17. अमेरिका में शिक्षा प्राप्त करने के बदले में भीमराव को इसकी शपथ लेनी पड़ी–

i) रुपए लौटाने की

ii) हमेशा बड़ौदा की सेवा करने की

iii) दस वर्ष बडौदा रियासत की सेवा करने की

iv) बड़ौदा के राजा की इच्छानुसार चलने की

18. डॉ. अम्बेडकर अधिक शिक्षा के लिए न्यूयार्क से कहाँ पहुँचे?

i) ब्रिटेन ii) लंडन iii) केनेड़ा iv) आस्ट्रेलिया

19. बड़ौदा रियासत में डॉ. अंबेडकर ने इस पद पर कार्य किया–

i) सैनिक ii) सैन्य सचिव iii) मंत्री iv) कानून मंत्री

20. डॉ. अंबेडकर मुंबई के इस कालेज में प्रोफेसर नियुक्त हुए–

i) एलफिंस्टन ii) सिडनेहम iii) क्वीन विक्टोरिया iv) सोफिया

21. सन् 1918 में मुंबई के सिडनेहम कालेज में प्रोफेसर बने डॉ. अंबेडकर का मासिक वेतन था–

i) रु. 4050/– ii) रु. 4500/– iii) रु. 40,050/– Iv) रु. 450/–

22. डॉ. अंबेडकर ने इनको जागरूक करना आरंभ किया–

i) ग़रीब एवं दुःखियों को ii) वंचित एवं पीड़ितों को

iii) बेरोज़गार युवाओं को iv) स्वतंत्रता सेनानियों को

23. डॉ. अंबेडकर ने जिस समाचार पत्र का आरंभ किया, उसका नाम था–

i) मूकनायक ii) पीड़ित समाज iii) माधुरी iv) आज की आवाज़

24. डॉ. अंबेडकर ने समाज कल्याण के कार्य के लिए इसका गठन किया–

i) महिला हितकारिणी सभा ii) मज़दूर हितकारिणी सभा

iii) बहिष्कृत हितकारिणी सभा iv) बाल हितकारिणी सभा

25. डॉ. अंबेडकर ने 'समता सैनिक दल' की स्थापना इस वर्ष में की–

i) सन् 1924 ii) सन् 1934 iii) सन् 1930 iv) सन् 1940

26. 1924 को बंबई विधान परिषद में डॉ. अंबेडकर ने इस विषय पर भाषण प्रस्तुत किया–

i) जातीय भेदभाव ii) बजट iii) स्वतंत्रता संग्राम iv) भ्रष्टाचार

27. मार्च, 1927 को महाड़ में डॉ. अंबेडकर द्वारा आयोजित विशाल सभा का उद्देश्य था–

i) शिक्षा का अधिकार प्राप्त करना

ii) नौकरी पाने का अधिकार प्राप्त करना

iii) पानी पीने के अधिकार को प्राप्त करना

iv) मंदिर में प्रवेश का अधिकार प्राप्त करना

28. लंडन के गोलमेज सम्मेलन में संघर्ष की बदौलत डॉ. अंबेडकर ने अछूतों के लिए इस अधिकार को प्राप्त किया–

i) पृथक निर्वाचन का अधिकार ii) शिक्षा प्राप्ति का अधिकार

iii) समानता का अधिकार iv) सरकारी नौकरी पाने का अधिकार

29. 'पूनापैक्ट' समझौते के अनुसार अछूतों के लिए इसकी व्यवस्था की गई–

i) नौकरी व शिक्षा के क्षेत्र में आरक्षण ii) निःशुल्क शिक्षा

iii) समाज में बराबरी का स्थान iv) आर्थिक सहायता प्रदान करने की व्यवस्था

30. पत्नी की मृत्यु के उपरांत भगवा पहनने के कारण डॉ. अंबेडकर को इस नाम से पुकारा गया–

i) साधु महाराज ii) अंबेडकर iii) भीमराव iv) बाबासाहेब

31. डॉ. अंबेडकर पत्नी और बच्चों से अधिक इनको मानते थे–

i) दोस्तों को ii) पुस्तकों को iii) माता–पिता को iv) अपने भाइयों को

32. 1942 में, बाबासाहेव की विद्वत्ता से प्रभावित होकर भारत के गवर्नर ने उन्हें यह पद सौंपा–

i) कानून मंत्री ii) श्रममंत्री iii) उद्योग मंत्री iv) आर्थिक मंत्री

33. अंग्रेज़ों द्वारा डाँ. अंबेडकर को इस समिति का अध्यक्ष चुना गया–

i) संविधान मसौदा समिति ii) संघ शक्ति समिति i

ii) सलाहकार समिति iv) राज्य समिति

34. 'डॉ.. अंबेडकर को संविधान समिति का अध्यक्ष बनाने से अधिक अच्छा कार्य हम नहीं कर पाए।' ये शब्द इनके हैं–

i) महात्मा गाँधी ii) पं. जवाहर लाल नेहरू

iii) डाँ. राजेन्द्र प्रसाद iv) सरदार वल्लभभाई पटेल

35. डॉ.अंबेडकर ने 1956 में इस धर्म की दीक्षा ली–

i) सनातन ii) बौद्ध iii) इस्लाम iv) ईसाई

36. डॉ. अंबेडकर को बौद्ध धर्म की दीक्षा देने वाले थे–

i) भंते चंद्रमणि महाथेरो ii) बुद्धभद्र श्रमण iii) पीयूष कुमार नाहटा iv) बौद्ध आचार्य

37. डॉ. अंबेडकर की मृत्यु कब हुई?

i) 6 दिसंबर 1956 ii) 6 दिसंबर 1966 iii) 6 नवंबर 1956 iv) 16 नवंबर 1956

38. डॉ. भीमराव अंबेडकर को मरणोपरांत इस सम्मान से विभूषित किया गया–

i) पद्म भूषण ii) पद्म विभूषण iii) भारत रत्न iv) पद्म श्री

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. अंबेडकर जी के बाल्यजीवन का परिचय दीजिए।
2. अंबेडकर जी को शिक्षा प्राप्त करते समय किन–किन समस्याओं का सामना करना पड़ा?
3. लंडन के गोलमेज सम्मेलन में अंबेडकर जी ने किन विषयों पर प्रकाश डाला?
4. पत्नी की मृत्यु का डॉ. अंबेडकर पर क्या प्रभाव पड़ा?
5. अंबेडकर जी की विदेश शिक्षा के बारे में बताइए।
6. पारसी सराय में अंबेडकर जी के साथ कैसा व्यवहार किया गया?
7. अंबेडकर जी ने पीड़ित समाज के उद्धार के लिए क्या–क्या किया?
8. डॉ. अंबेडकर जी को भारत के संविधान का जनक क्यों माना जाता है?

III. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए:

1. 'भीमराव इस प्रकार के असंख्य अपमान के खून के घूँट चुपचाप पी जाते।'
2. 'हमारी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, फिर भी मैं भीमराव को उच्च शिक्षा दिलाने का भरसक प्रयास करूँगा।'
3. 'वर्षों का समय बीत जाने पर भी पारसी सराय में मेरे साथ हुए दुर्व्यवहार का स्मरण करते ही मेरी आँखों में आँसू छलक पड़ते हैं।'
4. 'मगर धन्य हैं डॉ. अंबेडकर उन्होंने तलवार या बंदूक का नहीं अहिंसात्मक तरीके से अपने समाज के कष्टों को दूर करने का निर्णय लिया।'

***

6. दिल का दौरा और एनजाइना

डॉ. यतीश अग्रवाल

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. हृदय रोग के दो स्वरूप ये हैं–
   i) एलपोर्ट संड्रोम और पॉलीसिस्टिक ii) दिल का दौरा और एनजाइना
   iii) वायुमार्ग रोग और ऊतक रोग iv) डायरिया और कोलोरेक्टल कैंसर
2. दिल का दौरा और एनजाइना आम तौर से इतने वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में देखे जाते हैं–
   i) 55 वर्ष से अधिक ii) 65 वर्ष से अधिक
   iii) 75 वर्ष से अधिक iv) 45 वर्ष से अधिक
3. हार्ट–अटैक का एक निदान जिसमें न्यूक्लियर स्कैन से यह पता लगाया जाता है कि दिल का कितना हिस्सा दौरे की चपेट से बेकार हुआ है, इसे कहते हैं–
   i) ई.सी.जी ii) ईको टेस्ट iii) मूगा टेस्ट iv) हाल्टर
4. कोरोनरी धमनियों में सिकुड़न आने का एक बड़ा कारण है–
   i) खून की कमी होना ii) शरीर कमजोर होना
   iii) वसा की परत का जम जाना iv) खून का जम जाना
5. भारत में बायपास सर्जरी की क्या संभावना है?
   i) संभव है ii) भविष्य में होने की संभावना है
   iii) संभावना नहीं है iv) कोशिश जारी है
6. हृदय रोगियों के लिए इस तरह का भोजन अच्छा नहीं है–
   i) कड़ुआ ii) फीका iii) वसा युक्त iv) रसदार
7. हृदय को इनसे ऊर्जा प्राप्त होती है–
   i) पसलियों से ii) मांसपेशियों से iii) कोरोनरी धमनियों से iv) हृदय वाल्व से

8. एनजाइना का उग्र रूप यह है–

i) पेरिकार्डियल रोग ii) सीएडी iii) अनियमित धड़कन iv) दिल का दौरा

9. दिल का दौरा पड़ने का कारण है–

i) अधिक श्रम करना

ii) हृदय को ऊर्जा पहुँचानेवाली किसी धमनी में एकाएक रुकावट आ जाना

iii) बुढ़ापे के कारण

iv) रक्तचाप का अचानक कम हो जाना

10. हृदय की मांसपेशियों के क्षतिग्रस्त होने का कारण है–

i) ऊर्जा का स्रोत सूख जाना ii) बुढ़ापा आना

iii) समय पर खाना न खाना iv) शरीर में रक्त की कमी होना

11. निम्न में से सही विकल्प है–

i) हाई ब्लड प्रेशर के कारण हृदय रोग होता है।

ii) स्त्रियों में हृदय रोग पुरुषों की अपेक्षा काफी कम संख्या मे पाया गया है।

iii) एनजाइना के लक्षण तब उभरते हैं जब रोगी आराम कर रहा होता है।

iv) दिल का दौरा पड़ने पर रोगी को पीठ के बल लिटाना चाहिए।

i) केवल पहला कथन सही है

ii) केवल तीसरा कथन सही है।

ii) पहला, दूसरा और तीसरा ये तीनों कथन सही हैं।

iv) केवल तीसरा कथन गलत है।

12. निम्न में से यह स्वभाव हृदय रोग का कारण बन सकता है–

i) ज्यादा हँसने का स्वभाव ii) शांत रहने का स्वभाव

iii) खुलकर अपनी समस्या पर विचार करने का स्वभाव

iv) अपने ग़मों में भीतर ही भीतर घुलते रहने का स्वभाव

13. हृदय रोग इस स्थान में रहने वालों में ज्यादा पाया जाता है–

i) शहरों में ii) गाँवों में iii) पहाड़ी इलाकों में iv) समुद्री तट पर

14. इस तरह के खाने से हृदय रोग को बढ़ावा मिलता है–

i) फल ii) साग–सब्जी iii) जंक फूड iv) दाल–दाने

15. निम्न में से एनजाइना का एक लक्षण है–

i) पेट में दर्द होना ii) खाँसी आना

iii) हाथ–पैर सुन्न होना iv) सीने में बाईं ओर दर्द उठना

16. दिल के दौरे का प्रमुख लक्षण यह है–

i) सीने में बाईं ओर प्राणलेवा दर्द उठना ii) जोरों का पसीना छूटना

iii) घबराहट और मितली की शिकायत होना iv) ये तीनों लक्षण

17. दिल का दौरा ज्यादा तेज हो तो यह होता है–

i) घबराहट होती है ii) रोगी बेहोश हो सकता है
iii) शरीर में कंपन हो सकता है iv) उल्टी हो सकती है

18. सार्बिट्रेट की गोली इसके पास होती है–
i) कैंसर के रोगी के पास ii) दिल के मरीज़ के पास
iii) टी बी के मरीज़ के पास iv) कुष्ठ रोगी के पास

19. अचानक दिल का दौरा पड़ जाए और रोगी की धड़कन रुक जाए तो यह उपचार करना चाहिए–
i) मुँह से मुँह सटाकर साँस दें ii) डॉक्टर के आने का इंतजार करें
iii) पानी पिलाएँ iv) कुछ न करें

20. एनजाइना रोग के निदान में यह अंश प्रमुख भूमिका निभाता है–
i) रोगी का मोटापा ii) रोगी का खान–पान
iii) रोगी की दिनचर्या iv) रोगी की बीमारी का इतिहास

21. खास मशीन पर व्यायाम कराते हुए ई.सी.जी रिकार्ड करने के टेस्ट को यह कहते हैं–
i) मूगा टेस्ट ii) ट्रेड मिल iii) हाल्टर iv) एंजियोग्राफी

22. 'हाल्टर' जाँच के अंतर्गत यह किया जाता है–
i) रोगी को अस्पताल में भर्ती किया जाता है
ii) कुछ दिनों के अंतराल में जाँच किया जाता है
iii) खास मशीन पर व्यायाम कराया जाता है
iv) रोगी के बदन पर छोटी ई.सी.जी मशीन लगाकर 24 से 72 घंटों तक ई.सी.जी ली जाती है

23. जिसमें कोरोनरी धमनियों में रंगीन डाई डालकर एक्स–रे–चित्र लिया जाता है उस जाँच को कहते हैं–
i) मूगा टेस्ट ii) ट्रेड मिल iii) हाल्टर iv) कोरोनरी एंजियोग्राफी

24. जिन हृदय रोगियों में दवा से आराम नहीं आता उनमें रुकी हुई कोरोनरी धमनियों को खोलने के लिए यह किया जा सकता है–
i) ऑक्सीजन थेरेपी ii) एंटीबयोटिक्स iii) डायलिसिस iv) बलून–एंजियोप्लास्टी

25. 'स्ट्रेप्टोकाइनेज' नामक दवा को इंजक्ट करने से हृदय रोगी को यह फायदा होता है–
i) रुकी हुई धमनी फिर से खुलती है ii) छाती के दर्द से राहत मिलती है
iii) नींद आती है iv) श्वास लेने में आसानी होती है

26. पेसमेकर की जरूरत इसे पड़ती है–
i) जो श्वास नहीं ले पा रहा हो ii) जिसके दिल की धड़कन बिगड़ गई हो
iii) जिसके गुर्दे काम नहीं कर रहे हों iv) जिसके फेफडों में खराबी हो

27. सिकुड़ी हुई कोरोनरी धमनी में गुब्बारा फुलाकर किए जाने वाले इलाज को यह कहते हैं–
i) बायपास ऑपरेशन ii) बैलून एंजियोप्लास्टी

iii) कोरोनरी एंजियोग्राफी iv) डायलिसिस

28. हृदय रोग के इलाज का एक स्वरूप– 'बायपास सर्जरी' में यह किया जाता है–
   i) क्षतिग्रस्त हृदय को दूसरे हृदय से बदला जाता है
   ii) रुकी हुई कोरोनरी धमनी को काटकर टाँग की शिरा का टुकड़ा लगाया जाता है
   iii) सर्जरी द्वारा रुकी हुई धमनी को खोला जाता है
   iv) रुकी हुई धमनी को निकालकर कृतक धमनी लगा दी जाती है
29. हृदय रोग से बचाव के संदर्भ में निम्न में यह कथन सही है–
   i) वसायुक्त भोजन करना चाहिए
   ii) मानसिक तनाव का हृदय पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता
   iii) रोजाना व्यायाम करने की जरूरत नहीं है
   iv) ब्लड प्रेशर और मधुमेह के लिए समय से दवा लेते रहें
30. 'दिल का दौरा और एनजाइना' लेख इस पुस्तक से लिया गया है–
   i) 'स्वास्थ्य के 200 सवाल' ii) 'ए हंड्रेड्ज लाईफ्स'
   iii) 'हाई ब्लड प्रेशर' iv) 'हार्ट अटैक'

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. दिल का दौरा और एनजाइना किसे कहते हैं?
2. दिल का दौरा और एनजाइना किन कारणों से होता है?
3. दिल का दौरा और एनजाइना रोग के प्रमुख लक्षण क्या हैं?
4. दिल का दौरा पड़ने पर प्राथमिक उपचार के लिए क्या–क्या कदम उठाने चाहिए?
5. हार्ट अटैक के रोगी का इलाज किस तरह किया जाता है?
6. 'बेलून एंजियोप्लास्टी' तकनीक क्या है?
7. हृदय रोग से बचने व काबू पाने के लिए क्या–क्या एहतियात बरतने चाहिए?
8. 'बायपास सर्जरी' के बारे में लिखिए।
9. हृदय रोगी के खान–पान में क्या–क्या परहेज जरूरी है?
10. दिल का दौरा और एनजाइना का निदान किस आधार पर किया जाता है?

III. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए:

1. 'हृदय ही शरीर का वह महत्त्वपूर्ण अंग है जो शरीर के समस्त भागों में जीवनदायी रक्त को पंप करता है।'
2. 'इस काम के लिए वह दिन–रात कड़ी मेहनत करता है और उसे स्वयं भी ऊर्जा की ज़रूरत पड़ती है।'
3. 'जिंदगी में मानसिक तनाव को भी दूर रखें। उतार–चढ़ाव, लाभ–हानि– इसे जीवन का अंग मान लें।'

***

7. मेरी बद्रीनाथ यात्रा

विष्णु प्रभाकर

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. संसार का सबसे ऊँचा पर्वत यह है–
   i) ल्होत्से ii) हिमालय iii) धौलागिरि iv) ब्रॉड पीक
2. हिमालय पर्वत सदा इससे ढँका रहता है–
   i) बर्फ से ii) पेड़–पौधों से iii) बादलों से iv) रेत से
3. कवि कालिदास ने हिमालय को यह नाम दिया है–
   i) सागरमाथा ii) हिमशिखर iii) नगाधिराज iv) हिमराज
4. हिमालय पर्वत पर इन पेड़ों के वन पाए जाते हैं–
   i) देवदारू और भोजपत्र ii) नारियल और आम
   iii) बरगद और नीम iv) श्रीगंध और लाल चन्दन
5. 'मेरी बद्रीनाथ यात्रा' इस प्रकार की कृति है–
   i) संस्मरण ii) रेखाचित्र iii) यात्रा वृत्तांत iv) निबंध
6. 'मेरी बद्रीनाथ यात्रा' पाठ के लेखक हैं–
   i) विष्णु प्रभाकर ii) हरिशंकर परसाई iii) विवेकी राय iv) ओमप्रकाश 'आदित्य'
7. बद्रीनाथ की यात्रा के संदर्भ में यात्रा के नियम के अनुसार लेखक पहले यहाँ गये–
   i) तारकेश्वर ii) चमौली iii) बद्रीनाथ iv) केदारनाथ
8. केदारनाथ की शीत–ऋतु की राजधानी का नाम है–
   i) उषीमठ ii) पीपलकोटी iii) चमौली iv) तारकेश्वर
9. चमौली से पीपलकोटी को जाने के रास्ते में मिलने वाला सबसे ऊँचे स्थान पर बना हुआ मंदिर है–
   i) बद्रीनाथ ii) केदारनाथ iii) तुंगनाथ iv) रुद्रनाथ
10. लेखक विष्णु प्रभाकर के साथ चल रहे केदारनाथ के यात्रियों में जो आठ वर्ष की प्यारी बच्ची थी, उसका नाम था–
    i) विद्या ii) सन्ध्या iii) पद्मा iv) नित्या
11. जोषीमठ से बद्रीनाथ की दूरी है–
    i) 29 मील ii) 39 मील iii) 19 मील iv) 09 मील
12. बदरी नारायण मंदिर इतने फुट की ऊँचाई पर बना हुआ है–
    i) 12,080 फुट ii) 12,000 फुट iii) 10,480 फुट iv) 10,840 फुट
13. तुंगनाथ शिखर इतने फुट ऊँचा है–
    i) 10,480 फुट ii) 12.080 फुट iii) 12,000 फुट iv) 10,000 फुट

14. बद्रीनाथ की यात्रा में लेखक और उनके सह यात्रियों को प्रतिदिन इतने मील चलना होता था–

i) 8 से 12 मील ii) 16 से 20 मील iii) 12 से 18 मील iv) 4 से 6 मील

15. 'ऐसा लग रहा था जैसे देवताओं के खेल के मैदान को किसी कुशल चित्रकार ने धवल रंग में लिख दिया हो।' विष्णु प्रभाकर ने यह वर्णन इसके लिए किया है–

i) जमनोत्री ii) गंगोत्री iii) चौखम्बा iv) तारकेश्वर

16. बद्रीनाथ का हर यात्री हिमशिखरों का सौंदर्य नहीं देख पाता क्योंकि, दोपहर होते–होते हिमशिखर इसके आवरण में छिप जाते हैं–

i) कुहरे के ii) बादलों के Iii) धुएँ के iv) बरसात के

17. बद्री नारायण के मंदिर को इन्होंने स्थापित किया था–

i) हरिवंश आचार्य ii) मध्वाचार्य iii) शंकराचार्य iv) रामानुजाचार्य

18. बद्रीनाथ घाटी में इस नदी का रूपजाल फैला है–

i) अलकनंदा ii) विष्णु गंगा iii) कंचन गंगा iv) गंगा

19. बद्रीनाथ की घाटी में बहने वाली गरुड़–गंगा से पत्थर का एक टुकड़ा पूजा के लिए घर ले जाने वाले को इसका डर नहीं रहता–

i) साँपों का ii) बिच्छुओं का iii) गरुड़ का iv) अंधेरे का

20. जोषीमठ की स्थापना इन्होंने की थी–

i) शंकराचार्य ii) मध्वाचार्य iii) रामानुजाचार्य iv) गरुडाचार्य

21. 'कीमू' का अर्थ यह होता है–

i) अंगूर ii) आम iii) शहतूत iv) चीकू

22. लोगों की मान्यता के अनुसार प्रतिभापुंज शंकर ने इस पेड़ के नीचे बैठकर उपनिषदों पर टीकाएँ लिखी थीं–

i) बरगद ii) शहतूत iii) देवदारू iv) भोजपत्र

23. बद्रीनाथ के रास्ते में स्थित पांडु राजा द्वारा बसाई गयी बस्ती का नाम है–

i) पांडुकेश्वर ii) चौसर बस्ती iii) कुबेर शिला iv) पांडु नगर

24. 'लोकपाल' इनका तीर्थ स्थल है–

i) जैनों का ii) बौद्धों का iii) ईसाइयों का iv) सिक्खों का

25. अलकनंदा के दोनों ओर के पर्वत ये कहलाते हैं–

i) शिव–पार्वती ii) ब्रह्मा–विष्णु iii) लक्ष्मी–सरस्वती iv) नर–नारायण

26. 'बदरी' इस फल को कहते हैं–

i) जामुन ii) शहतूत iii) बेर iv) आम

27. विष्णु गंगा और अलकनंदा के संगम पर यह है–

i) विष्णुप्रयाग ii) हरिद्वार iii) विशालापुरी iv) पंच प्रयाग

28. विष्णु प्रभाकर के अनुसार इस पर्वत के मनमोहक सौंदर्य को देखकर अकवि भी कवि और अदार्शनिक भी दार्शनिक बन जाता है–
    i) विंध्याचल ii) हिमालय iii) अरावली iv) काराकोरम
29. बद्रीनाथ और नीलकंठ के हिम–शिखरों में एक ऐसा भी कुण्ड है जिसका पानी गर्म होता है, उस कुण्ड का नाम है–
    i) तप्त कुण्ड ii) अग्नि कुण्ड iii) जल कुण्ड iv) वह्नि कुण्ड

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. हिमालय की विशेषता का वर्णन कीजिए।
2. बद्रीनाथ यात्रा में लेखक और उनके साथियों की दिनचर्या लिखिए।
3. तुंगनाथ शिखर के सौंदर्य के संबंध में लेखक ने क्या कहा है?
4. बद्रीनाथ की घाटी का चित्रण कीजिए।
5. बद्रीनारायण मंदिर की विशेषता पर प्रकाश डालिए।
6. बद्रीनाथ के यात्रियों में एक वयोवृद्ध सज्जन किस प्रकार हँसी का पात्र बन गए?
7. बद्रीनाथ यात्रा में लेखक विष्णु प्रभाकर के सहयात्रियों का वर्णन कीजिए।
8. 'पैखंडा' की विशेषता के बारे में लिखिए।
9. 'गरुड़ गंगा' की महानता का वर्णन कीजिए।
10. बद्रीनाथ तक पहुँचने का रास्ता कैसा है, वर्णन कीजिए।

III. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए:

1. ऐसे प्रदेश में पहुँचकर अकवि भी कवि और अदार्शनिक भी दार्शनिक बन जाता है।
2. यह मार्ग अपेक्षाकृत भयानक है, इसलिए इसका सौंदर्य भी अभी अछूता है।
3. हाय राम, वह तो सचमुच बिच्छू लग रहा था, पर वह चलता क्यों नहीं?
4. जम कैसे सकता था, हमने वहाँ पानी लगने ही नहीं दिया।
5. वह आकर्षण है–सरल भक्ति का, प्रकृति के वैभव का।
6. इसी कारण नारायण यहाँ बदरी नारायण के नाम से प्रसिद्ध हैं।
7. अरे, बिच्छू–बिच्छू।
8. कहिए, दिल जम गया या बच गया।
9. मंजिल पर पहुँचने पर रोमांच हो ही आता है।
10. यात्रा का यह अस्थाई स्नेह भी कितना पवित्र होता है।

***

8. नालायक

विवेकी राय

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. 'नालायक' कहानी में इतने अन्ट्रेन्ड अध्यापकों के चुनाव के बारे में बताया गया है–
   i) सौ   ii) दो सौ   iii) तीन सौ   iv) पाँच सौ
2. 'नालायक' कहानी में अन्ट्रेन्ड अध्यापकों के चुनाव में भाग लेने के लिए इतने उम्मीदवार आए थे–
   i) दस हज़ार   ii) तीन हज़ार   iii) पाँच हज़ार   iv) एक हज़ार
3. 'नालायक' कहानी में प्रत्येक उम्मीदवार के पीछे इतनी सिफारिशें आने की बात कही गयी है–
   i) लगभग आठ–दस   ii) लगभग दो–तीन
   iii) लगभग दस–बारह   iv) लगभग पाँच–छः
4. 'नालायक' कहानी में चित्रित ज्योतिषी इस जगह पर बैठे थे–
   i) चेयरमैन के बंगले के सामने   ii) जिला परिषद् के सामने वाली फुटपाथ पर
   iii) बसस्टैंड के सामने वाली सड़क पर   iv) मंदिर के सामने
5. 'नालायक' कहानी में चेयरमैन साहब के बंगले के सामने पुलिस की कितनी गाड़ियाँ आयीं?
   i) दो   ii) चार   iii) तीन   iv) पाँच
6. नालायकों की सभा के सभापति के लिए इनका नाम प्रस्तावित किया गया–
   i) श्री कृष्णपाल   ii) श्री राघव   iii) श्री रघुपाल यादव   iv) श्री रघुपतिराघव
7. 'नालायक' पाठ के लेखक हैं–
   i) विवेकी राय   ii) विष्णु प्रभाकर   iii) भीष्म साहनी   iv) हरिशंकर परसाई
8. 'नालायक' कहानी में जिला परिषद् में प्राइमरी स्कूलों के लिए इनका चुनाव होने वला था–
   i) चपरासियों का   ii) प्रधान अध्यापक का
   iii) अनट्रेन्ड अध्यापकों का   iv) ट्रेन्ड अध्यापकों का
9. 'नालायक' कहानी में प्राइमरी अध्यापकों के चुनाव के उम्मीदवारों में इनकी संख्या अधिक थी–
   i) थर्ड डिवीजनरों की   ii) फर्स्ट डिवीजनरों की
   iii) सेकेण्ड डिवीजनरों की   iv) रैंक होल्डर्स की
10. 'थर्ड डिवीजनर के लिए दुनिया में कोई जगह नहीं है।' यह वाक्य इनके द्वारा कहा गया–
    i) लेखक से   ii) फर्स्ट डिवीजनर से   iii) सिफारिशी से   iv) एक उम्मीदवार से

11. 'नालायक' कहानी में एक सिफारिशी के अनुसार थर्ड डिवीजनर के लिए इसकी जगह रिजर्व है–
    i) क्लर्क की   ii) चपरासी की   iii) स्कूल मास्टर की   iv) नर्स की
12. 'नालायक' कहानी में 'बिना बाल के ज्वार–बाजरे की ढाठा' का उदाहरण इनके लिए दिया गया है–
    i) चेयरमैन के बंगले के सामने जमा हुए लोगों के लिए
    ii) शहर में घूम रहे लोगों के लिए
    iii) सभा में एकत्रित उम्मीदवारों के लिए
    iv) जिला परिषद के सामने बैठे व्यापारियों के लिए
13. 'नालायक' कहानी में चेयरमैन साहब के बंगले के सामने पुलिस इसलिए आयी–
    i) उम्मीदवारों को बन्दी बनाने   ii) भीड़ को नियंत्रित करने
    iii) सिफारिशियों को हटाने   iv) चेयरमैन साहब की रक्षा करने
14. चेयरमैन साहब के बंगले के सामने पुलिस की सहायता से खांचियों में ये कागज़ भरे गए–
    i) परिचय पत्र   ii) अंक पत्र   iii) आवेदन पत्र   iv) सिफारिशी पत्र
15. 'सुबह का सिकुड़ा हुआ बालक अब तनकर जवान की तरह लग रहा था।' इस वाक्य में यह भाव गोचरित होता है–
    i) उत्तेजना   ii) भय   iii) दुःख   iv) हर्ष
16. 'नालायक' कहानी में थर्ड डिवीजनर इनके खिलाफ आन्दोलन करने का निर्णय लेते हैं–
    i) फर्स्ट और सेकेण्ड डिवीजनर्स के   ii) स्कूल के अधिकारियों के
    iii) सरकार के   iv) जिला परिषद् के
17. 'नालायक' कहानी में थर्ड डिवीजनर्स की सभा यहाँ होने वाली थी–
    i) जिला परिषद् के सामने   ii) चेयरमैन साहब के बंगले के सामने
    iii) शहर के मुख्य चौराहे पर   iv) शहर से बाहर
18. 'नालायक' कहानी में थर्ड डिवीजनर्स सभा चलाने के लिए यहाँ एकत्र हुए–
    i) जंगल में   ii) नदी के किनारे
    iii) नदी के किनारे बगीचे में   iv) पीपल के पेड़ के नीचे
19. 'नालायक' कहानी में थर्ड डिवीजनर्स की सभा का मंच बना–
    i) काली माई का टूटा चबूतरा   ii) नदी का तट
    iii) बरगद के पेड़ का तना   iv) मंदिर की सीढ़ी
20. 'नालायक' कहानी में थर्ड डिवीजनर्स की सभा को संबोधित करते हुए एक युवक ने यह संकल्प लेने के लिए कहा–
    i) हड़ताल का   ii) जीवन का   iii) शांत रहने का   iv) दंगे करने का

21. 'हमारे लिए हर जगह दरवाजा बन्द है। जैसे हम आदमी नहीं बैल हैं।' नालायक कहानी के इस वाक्य में 'हर जगह' से तात्पर्य है–
    i) नौकरी ii) मंदिर iii) पाठशाला iv) बाग–बगीचे
22. 'नालायक' पाठ में थर्ड डिवीजनर्स इन पर मुकदमा कायम करना चाहते हैं–
    i) अपने दोस्तों पर ii) समाज पर
    iii) माता–पिता पर iv) सरकार, स्कूल और अधिकारियों पर
23. 'नालायक' कहानी में लेखक ने इनकी मनोदशा को दर्शाया है–
    i) अनपढ़ लोगों की ii) थर्ड डिवीजन में पास होने वालों की
    iii) सिफारिशियों की iv) सरकारी अधिकारियों की
24. थर्ड डिवीजनर्स की सभा में यह नारा बहुत देर तक दुहराया जा रहा था–
    i) किसको मिले मास्टरी चाँस,थर्ड डिवीज़न मेट्रिक पास
    ii) करो या मरो iii) सरकारी अफसर हाय–हाय iv) फर्स्ट डिवीजनर्स मुर्दाबाद

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. अन्ट्रेन्ड अध्यापकों के चुनाव के माहौल का वर्णन कीजिए।
2. जिला परिषद् के बाहर का दृश्य प्रस्तुत कीजिए।
3. लाउड स्पीकर से क्या घोषणा की जा रही थी?
4. दौड़ कर आते हुए उम्मीदवार ने क्या कहा?
5. थर्ड डिवीजनरों की व्यथा को प्रकट कीजिए।
6. काली माई के चबूतरे पर खड़े युवक ने क्या भाषण दिया?
7. चेयरमैन साहब के बंगले के सामने का दृश्य प्रस्तुत कीजिए।
8. परिषद् कार्यालय के बंद दरवाजे को देखकर उम्मीदवार क्या सोचने लगे?
9. लेखक विवेकी राय ने सिफारिश करने का कौन–सा नया तरीका देखा?
10. शहर में बढ़ती हुई असाधारण भीड़ को देखकर लोगों ने क्या सोचा?

III. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए:

1.जीवन में पहली बार सिफारिश का यह तरीका जाना।
2. सुबह का सिकुड़ा वह बालक अब तनकर जवान की तरह लग रहा था।
3. हम हरगिज़ नहीं मानते कि कागज की तीन लकीरों के कारण हम लोग नालायक हैं।
4. किसको मिले मास्टरी चाँस, थर्ड डिवीजन मैट्रिक पास।
5. शिक्षा का स्तर गिर रहा है, उसे अब और गिरने नहीं दिया जाएगा।
6. ये लोग आज 'उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे' की कहावत चरितार्थ कर रहे हैं।
7. संख्या बल पर निरक्षर यदि एम.एल.ए हो सकता है तो क्या हम थर्ड डिवीजनर्स को मुदर्रिसी भी नहीं मिल सकती है?

***

9. राष्ट्र का स्वरूप

वासुदेवशरण अग्रवाल

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. वासुदेवशरण अग्रवाल के अनुसार इनके सम्मिलन से राष्ट्र का स्वरूप बनता है–
   i) जल, वायु और ध्वनि   ii) भूमि, जन और संस्क्रुति
   iii) कृषि, उद्योग और धन   iv) साहित्य, कला और संस्कृति
2. 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ के अनुसार अमूल्य निधियाँ भरी हैं–
   i) पर्वतों की कोख में   ii) समुद्र की कोख में
   iii) धरती माता की कोख में   iv) प्रकृति माता की कोख में
3. लेखक वासुदेवशरण अग्रवाल ने जन को सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र कहा है, क्योंकि–
   i) जन के कारण ही पृथ्वी 'मातृभूमि' की संज्ञा प्राप्त करती है।
   ii) जन पृथ्वी को अपनी निजी संपत्ति समझता है।
   iii) जन पृथ्वी पर अपनी मनमानी करता है।
   iv) जन के बगैर पृथ्वी को सम्मान देने वाला और कोई नहीं है।
4. 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ में पुत्र का स्वाभाविक कर्तव्य इसे बताया गया है–
   i) माता को अपने आदेशानुसार चलाना ii) माता से अपने अधिकारों की माँग करना
   iii) माता को खाना–पानी देना   iv) माता के प्रति अनुराग और सेवाभाव रखना
5. माता अपने पुत्रों को इस प्रकार चाहती है–
   i) संदर्भ के अनुसार   ii) समान भाव से
   iii) पुत्र की योग्यता के अनुसार   iv) मजबूरी से
6. 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ के अनुसार राष्ट्र का तीसरा अंग यह है–
   i) जन   ii) संस्कृति   iii) भूमि   iv) प्रकृति
7. लेखक वासुदेवशरण अग्रवाल के अनुसार राष्ट्र की वृद्धि इसके द्वारा संभव है–
   i) विज्ञान और तकनीक द्वारा   ii) धन की वृद्धि द्वारा
   iii) संस्कृति के विकास और अभ्युदय द्वारा   iv) जनसंख्या की वृद्धि द्वारा
8. 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ के अनुसार राष्ट्र का सुखदायी रूप यह है–
   i) समन्वय–युक्त जीवन   ii) सुख–समृद्ध जीवन
   iii) सेवा भाव युक्त जीवन   iv) धार्मिक भाव से समृद्ध जीवन
9. लेखक वासुदेवशरण अग्रवाल के अनुसार संस्कृति का अमित भंडार इसमें भरा हुआ है–
   i) जीवन शैली में ii) प्राकृतिक संपदाओं में iii) लोक–कथाओं में iv) भाषा–शैली में
10. 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ के लेखक हैं–
   i) हरिशंकर परसाई   ii) विवेकी राय   iii) विष्णु प्रभाकर   iv) वासुदेवशरण अग्रवाल

11. लेखक वासुदेवशरण अग्रवाल के अनुसार सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी यह है

i) पृथ्वी माता ii) गौमाता iii) गंगा माता iv) प्रकृति माता

12. लेखक वासुदेवशरण अग्रवाल के अनुसार, जो जन मातृभूमि के साथ अपना संबंध जोड़ना चाहते हैं उनको इनके प्रति ध्यान देना चाहिए–

i) अपने कर्तव्यों के प्रति ii) अपने संबंधों के प्रति

iii) अपने विचारों के प्रति iv) अपनी प्रगति के प्रति

13. 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ के अनुसार इनको मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का एक नया ठाट खड़ा करना है–

i) कृषि और कारीगरी ii) विज्ञान और उद्यम

iii) प्रकृति और परिसर iv) भाषा और विचार

14. भूमि इतने काल से है–

i) हज़ारों वर्षों से ii) सैकड़ों वर्षों से iii) अनंत काल से iv) दस लाख वर्षों से

15. 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ के अनुसार पृथ्वी का सांगोपांग अध्ययन इसके लिए बहुत आनंदप्रद कर्तव्य माना जाता है–

i) जन विकास के लिए ii) विज्ञान और उद्यम के लिए

iii) एकरूप राष्ट्र के लिए iv) जागरणशील राष्ट्र के लिए

16. धरती माता को 'वसुंधरा' इसलिए कहा जाता है–

i) विशालता के कारण ii) अमूल्य निधियाँ भरे रहने के कारण

iii) विशाल समुद्र के कारण iv) असंख्य जनसंख्या के कारण

17. लेखक वासुदेवशरण अग्रवाल के अनुसार, पृथ्वी हो और मनुष्य न हों, तो इसकी कल्पना असंभव है–

i) राष्ट्र की ii) जीवन की iii) मौज–मस्ती की iv) खेत–खलिहान की

18. 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ के अनुसार, जन के हृदय में इस सूत्र का अनुभव ही राष्ट्रीयता की कुंजी है–

i) पृथ्वी पर मिलने वाले सभी साधन मेरे हैं ii) मेरे कारण पृथ्वी समृद्ध है

iii) मैं ही पृथ्वी का कर्ता–धर्ता हूँ iv) भूमि माता है, मैं उसका पुत्र हूँ

19. लेखक वासुदेवशरण अग्रवाल के अनुसार, पृथ्वी के साथ माता और पुत्र के संबंध को स्वीकार करता है उसे यह अधिकार प्राप्त होता है–

i) पृथ्वी की अमूल्य निधि को प्राप्त करने का

ii) पृथ्वी के अधिकारों में भाग लेने का

iii) पृथ्वी पर जीने का iv) संपत्ति इकट्ठा करने का

20. स्वार्थ के लिए पुत्र का माता के प्रति प्रेम यह सूचित करता है–

i) पुत्र की समृद्धि को ii) पुत्र के स्वाभाविक स्वभाव को

iii) पुत्र के अधःपतन को iv) पुत्र की विवशता को

21. 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ के अनुसार यह जन का मस्तिष्क है–
    i) भाषा ii) संस्कृति iii) स्वभाव iv) जीवन
22. 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ के अनुसार जीवन के विटप का पुष्प यह है–
    i) संपत्ति ii) संतान iii) सुख iv) संस्कृति
23. पृथक–पृथक संस्कृतियों के विकास का मूल आधार यह है–
    i) पारस्परिक सहिष्णुता और समन्वय ii) पारस्परिक विविधता
    iii) विविध भाषा–शैली iv) भूमि संरचना में वैविध्य
24. प्रत्येक संस्कृति के आनंद–पक्ष को स्वीकार कर उसमें आनंदित होने वाला व्यक्ति ऐसा होता है–
    i) परोपकारी ii) धर्म–भीरू iii) सहृदय iv) स्वार्थी
25. 'राष्ट्र का स्वरूप' निबंध का उद्देश्य है–
    i) विद्यार्थियों में धार्मिक भावना जागृत करना
    ii) विद्यार्थियों में राष्ट्रीय भावना जागृत करना
    iii) विद्यार्थियों को भूमि की संरचना के बारे में बताना
    iv) विद्यार्थियों को संस्कृति का परिचय कराना

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. राष्ट्र को निर्मित करनेवाले तत्त्वों का वर्णन कीजिए।
2. धरती 'वसुंधरा' क्यों कहलाती है?
3. राष्ट्र निर्माण में जन का क्या योगदान होता है?
4. लेखक ने संस्कृति को जीवन–विटप का पुष्प क्यों कहा है?
5. समन्वययुक्त जीवन के संबंध में वासुदेवशरण अग्रवाल के विचार प्रकट कीजिए।
6. राष्ट्रीयता कैसे बलवती होती है?
7. 'माता पृथ्वी को प्रणाम' इस दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन कैसे तैयार किया जाता है?
8. 'पृथ्वी माता के लिए सभी जन एक समान हैं।' इस कथन को वासुदेवशरण अग्रवाल ने किस प्रकार स्पष्ट किया है?
9. विभिन्न समुदाय तथा संस्कृतियों के बारे में लेखक के विचार स्पष्ट कीजिए।
10. 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ के लेखक के अनुसार पूर्वजों के बारे में हमें कैसे पहचानना चाहिए?

III. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए:

1.भूमि माता है, मैं उसका पुत्र हूँ।
2. यह प्रणाम भाव ही भूमि और जन का दृढ़ बंधन है।
3. जन का प्रवाह अनंत होता है।
4. संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है।
5. उन सबका मूल आधार पारस्परिक सहिष्णुता और समन्वय पर निर्भर है।

6. इस प्रकार की उदार भावना ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है।
7. समन्वययुक्त जीवन ही राष्ट्र का सुखदायी रूप है।
8. जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनंद–पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनंदित होता है।
9. राष्ट्र के शरीर के एक भाग में यदि अंधकार और निर्बलता का विकास है तो समग्र राष्ट्र का स्वास्थ्य उतने अंश में असमर्थ रहेगा।
10. पृथ्वी के भौतिक स्वरूप की आद्योपांत जानकारी प्राप्त करना, उसकी सुंदरता, उपयोगिता और महिमा को पहचानना आवश्यक धर्म है।

***

10. रिहर्सल

ओमप्रकाश ‘आदित्य’

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. ‘रिहर्सल’ इस प्रकार की रचना है–
   i) निबंध ii) कहानी iii) आलोचना iv) एकांकी
2. ‘रिहर्सल’ एकांकी इस रस से सराबोर है–
   i) हास्य–व्यंग्य रस ii) निंदा रस iii) शांत रस iv) रौद्र रस
3. ‘रिहर्सल’ एकांकी में बीमार स्त्री की समस्याएँ थीं–
   i) सर चकराना और सरदर्द होना ii) मितली और सर चकराना
   iii) घबराहट और नींद न आना iv) बुखार और सीने में दर्द होना
4. ‘रिहर्सल’ एकांकी में वैद्य परमानंद बीमार स्त्री की इस तकलीफ को मौत की निशानी बताते हैं–
   i) पेट में दर्द होना ii) नींद न आना iii) घबराहट महसूस करना iv) दिल धड़कना
5. ‘रिहर्सल’ एकांकी में रोगियों को अक्सर मरते हुए देखने वाला है–
   i) वैद्य परमानंद ii) प्रोफेसर पांडुरंग iii) अध्यापक iv) किसान
6. ‘रिहर्सल’ एकांकी में वैद्य परमानन्द बीमार स्त्री को चंदन का लेप यहाँ करने के लिए कहते हैं–
   i) हृदय के ऊपरी भाग पर ii) हृदय के भीतरी भाग पर iii) मस्तक पर iv) पेट पर
7. ‘रिहर्सल’ एकांकी में वैद्य परमानन्द बीमार स्त्री को यह परहेज करने के लिए कहते हैं–
   i) ठंडी चीज़ें न खाने का ii) मीठा न खाने का
   iii) तली हुई चीजें न खाने का iv) पन्द्रह दिन तक खाना न खाने का
8. ‘रिहर्सल’ एकांकी में वैद्य परमानन्द बीमार स्त्री को ऐसा पानी पीने के लिए कहते हैं–
   i) उबला पानी ii) ठंडा पानी iii) गुनगुना पानी iv) नल का पानी

9. 'वैद्य परमानन्द के पास जो एक बार होकर जाता है दोबारा लौटकर नहीं आता।'
यह वाक्य इसके द्वारा कहा गया है–
i) वैद्य परमानंद ii) प्रोफेसर पांडुरंग iii) अध्यापक iv) स्त्री
10. 'रिहर्सल' एकांकी में किसान किसकी बीमारी के इलाज के लिए वैद्य परमानन्द के पास आता है?
i) अपनी पत्नी ii) अपनी बेटी iii) अपनी गाय iv) खुद की
11. 'रिहर्सल' एकांकी में किसान की गाय की तकलीफ यह थी–
i) न उठती है न आँखें खोलती है ii) न चारा खाती है न दूध देती है
iii) न नींद करती है न चारा खाती है iv) न रँभाती है न देखती है
12. 'रिहर्सल' एकांकी में वैद्य परमानन्द गाय की हालत का पता ऐसे लगाते हैं–
i) किसान की नब्ज देखकर ii) गाय की नब्ज देखकर
iii) गाय की सूरत देखकर iv) किसान की सूरत देखकर
13. 'रिहर्सल' एकांकी में अध्यापक इसके इलाज के लिए वैद्य परमानन्द के पास आता है–
i) खुद के ii) पत्नी के iii) बेटे के iv) बेटी के
14. 'रिहर्सल' एकांकी के संदर्भ में निम्न में से यह तथ्य सही है–
i) वैद्य परमानन्द एक सुलझा हुआ वैद्य है।
ii) परमानन्द एक सही वैद्य नहीं है।
iii) वैद्य परमानन्द को रोग की अच्छी पहचान है।
iv) वैद्य परमानन्द से इलाज पाकर रोगी अत्यंत संतुष्ट होते हैं।
15. 'रिहर्सल' एकांकी में अध्यापक के लड़के को यह तकलीफ थी–
i) जुकाम–खाँसी थी ii) पेट में दर्द था iii) बुखार था iv) बेहोश था
16. 'रिहर्सल' एकांकी में वैद्य परमानन्द हर रोगी को यह दवा देते थे–
i) अमर भास्कर चूर्ण ii) त्रिफला चूर्ण iii) आमला चूर्ण iv) मोरिंगा चूर्ण
17. 'रिहर्सल' एकांकी में प्रोफेसर पांडुरंग बीमार स्त्री की कमजोरी दूर करने का यह उपाय सुझाते हैं–
i) फल खाने का उपाय ii) हिम्मत से रहने का उपाय
iii) दवाई खाने का उपाय iv) आराम करने का उपाय
18. "घबराइये मत, आँखें मत खोलिए, आप शेर से लड़िये।"
प्रोफेसर पांडुरंग के द्वारा कहे गये इस वाक्य के संदर्भ में निम्न में से यह कथन सही है–
i) आँखें बन्द करके शेर से लड़ना है।
ii) शेर से लड़ने की कल्पना करनी है।
iii) शेर से लड़ने का सपना देखना है।
iv) निद्रित अवस्था में शेर से लड़ना है।

19. प्रोफेसर पांडुरंग स्त्री को रास्ते भर यह महसूस करते हुए जाने की सलाह देते हैं–
    i) अपने अंदर कोई बीमारी नहीं होना
    ii) अपने आप को वीरांगना समझना
    iii) अपने अंदर नए जोश का होना
    iv) रानी लक्ष्मीबाई की तरह तलवार चलाते हुए बढ़ना
20. 'रिहर्सल' एकांकी में प्रेफेसर पांडुरंग गाय की बीमारी का पता लगाने के लिए यह देखना चाहते हैं–
    i) गाय की नब्ज   ii) किसान की नब्ज   iii) गाय का चेहरा   iv) गाय का पेट
21. प्रोफेसर पांडुरंग किसान से यह लाने के लिए कहते हैं–
    i) गाय की फोटो   ii) गाय के बछड़े को
    iii) गाय का चारा   iv) गाय के पीने का पानी
22. 'रिहर्सल' एकांकी में लड़की प्रोफेसर पांडुरंग के पास इसलिए आती है–
    i) अपने इलाज के लिए   ii) अपनी माँ के इलाज के लिए
    iii) अपने भाई के इलाज के लिए   iv) अपने पिता के इलाज के लिए
23. वैद्य परमानन्द के अनुसार कोई भी व्यक्ति तब तक नहीं मरता जब तक–
    i) बीमारी बढ़ नहीं जाती   ii) इलाज नहीं किया जाता
    iii) वह दवाई नहीं दे देता   iv) रोगी खुद मरना नहीं चाहता
24. 'रिहर्सल' एकांकी में यमराज का सगा भाई इसे कहा गया है–
    i) वैद्य परमानंद   ii) प्रोफेसर पांडुरंग   iii) किसान   iv) अध्यापक
25. वैद्य परमानन्द के अनुसार वात–पित्त–कफ की तरह एक साथ आने वाला है–
    i) अध्यापक   ii) किसान   iii) प्रोफेसर पांडुरंग   iv) स्त्री
26. प्रोफेसर पांडुरंग के अनुसार बेहोश लड़के को यह महसूस करना है–
    i) कि वह बेहोश नहीं है   ii) कि वह सेहतमंद है
    iii) कि वह अभी उठकर दौड़ सकता है   iv) कि वह जंगल में है
27. "इसे ऐसी–ऐसी कहाँनियाँ सुनाइये जिनमें बेहोश व्यक्तियों के होश में आने का वर्णन हो।" यह सुझाव इसके द्वारा दिया गया–
    i) वैद्य परमानंद   ii) प्रोफेसर पांडुरंग   iii) एक डॉक्टर   iv) अध्यापक
28. प्रोफेसर पांडुरंग लड़के की बेहोशी को यह नाम देते हैं–
    i) वात रोग   ii) स्नायु रोग   iii) मूर्छा रोग   iv) सन्निपात
29. वैद्य परमानन्द के अनुसार लड़के को यह रोग हुआ है–
    i) सन्निपात   ii) डिप्थीरिया   iii) स्नायुरोग   iv) मूर्छा रोग
30. लड़का इसका रिहर्सल कर रहा था–
    i) शांत रहने का   ii) सोने का   iii) मरने का   iv) बेहोशी का
31. 'रिहर्सल' एकांकी में लड़का बेहोश होने का रिहर्सल इसलिए कर रहा था–
    i) नाटक में बेहोशी का अभिनय करने के लिए

ii) अपने माँ–बाप को डराने के लिए
iii) बेहोशी का अनुभव पाने के लिए
iv) लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए

32. 'रिहर्सल' एकांकी के लेखक हैं–

i) विवेकी राय ii) उपेन्द्रनाथ अश्क iii) ओमप्रकाश 'आदित्य' iv) हरिशंकर परसाई

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. वैद्य परमानन्द बीमार स्त्री का इलाज किस प्रकार करते हैं?
2. वैद्य परमानन्द गाय की बीमारी दूर करने का क्या उपाय बताते हैं?
3. प्रोफेसर पांडुरंग बीमार स्त्री का इलाज किस ढंग से करते हैं?
4. वैद्य और प्रोफेसर के आमने–सामने आने के बाद का दृश्य प्रस्तुत कीजिए।
5. रमेश ने बेहोशी का अभिनय क्यों किया?
6. वैद्य परमानन्द का चरित्र–चित्रण कीजिए।
7. प्रोफेसर पांडुरंग का चरित्र–चित्रण कीजिए।
8. प्रोफेसर पांडुरंग बीमार स्त्री की हिम्मत बढ़ाने के कौन–कौन से उपाय सुझाते हैं?
9. वैद्य परमानंद और प्रोफेसर पांडुरंग के इलाज के तरीके से उनके बारे में आपके मन में क्या धारणा बनती है? स्पष्ट कीजिए।
10. 'रिहर्सल' शीर्षक के औचित्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

III. ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए:

1. मरना तो कोई भी नहीं चाहता, लेकिन मैंने अपने रोगियों को अक्सर मरते देखा है।
2. हृदय का गुण ही धड़कना होता है।
3. मुझे डर है कि कहीं यहाँ बैठे–बैठे मेरा दिल धड़कना बंद न कर दे।
4. इसे भ्रम हो गया है कि यह बेहोश हो गया है।
5. सन्निपात है वैद्य परमानंद को और स्नायुरोग है प्रोफेसर पांडुरंग को।
6. अरे, आग लगे तेरी रिहर्सल को। तू बीस–तीस मिनट ऐसे ही रहता तो मेरी रिहर्सल हो जाती।
7. कौन? वैद्य परमानंद! यमराज का सगा भाई।
8. अच्छा! उसे उसी का दूध निकालकर पिलाओ।
9. हृदय के भीतरी भाग पर चंदन का लेप कीजिए।
10. तुझे क्या हो गया था मेरे लाड़ले।

***

द्वितीय सोपान–पद्य भाग

(अ) मध्यकालीन काव्य

1. कबीरदास के दोहे

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. कबीरदास केअनुसार इनके प्रताप से सब दुःख दर्द मिटते हैं–
   i) राम के ii) सद्गुरु के iii) समय के iv) पैसों के
2. कबीर के गुरु यह थे–
   i) रामानंद ii) परमानंद iii) दयानंद iv) धर्मदास
3. कबीर इन पर बलिहारी होते हैं–
   i) माता–पिता पर ii) जीवन पर iii) शिष्य पर iv) गुरु पर
4. कबीरदास के एक दोहे के अनुसार माटी कुम्हार से यह कहती है–
   i) मुझे क्यों फेंकते हो ii) मुझे क्यों रौंदते हो
   iii) मुझे क्यों सींचते हो iv) मुझे क्यों अपनाते हो
5. कबीरदास का विश्वास है कि इनको पास रखने से हमारा भला होगा–
   i) पड़ोसियों को ii) बिल्लयों को iii) निन्दकों को iv) मित्रों को
6. कस्तूरी यहाँ बसती है–
   i) पेड़ में ii) फूल में iii) फलों में iv) मृग की नाभि में
7. कबीर इनकी राह देखते हैं–
   i) साधु की ii) राम की iii) शिष्य की iv) गुरु की
8. कबीरदास के अनुसार क्रोध इसके समान है–
   i) जीवन के ii) तलवार के iii) मृत्यु के iv) दुष्टता के
9. कबीर के अनुसार दुःख में मनुष्य यह करता है–
   i) गलतियों को याद ii) राम का स्मरण
   iii) संकटों का सामना iv) अपने आप से बातें
10. कबीरदास के अनुसार इसकी जाति नहीं पूछनी चाहिए–
    i) साधु की ii) मित्रों की iii) विद्वानों की iv) लोगों की
11. गुरु के मिलने से कबीर की यह मिट गयी–
    i) परेशानी ii) दुविधा iii) चिंता iv) शंका
12. कबीरदास के सामने ये खड़े हैं–
    i) माता और पिता ii) गुरु और शिष्य iii) गुरु और गोविंद iv) धर्म और अधर्म
13. कबीरदास कहते हैं कि निन्दक की कुटी यहाँ बनानी चाहिए–
    i) जंगल में ii) गाँव में iii) घर के पिछवाड़े में iv) घर के आँगन में

14. कबीरदास के अनुसार मृग वन में यह ढूँढता है–
    i) आश्रय ii) कुटिया iii) कस्तूरी iv) पानी
15. कबीर के अनुसार घटि ये हैं–
    i) दुःख ii) राम iii) आनंद iv) संघर्ष
16. कबीर के अनुसार तलवार खरीदते समय इसके प्रति ध्यान नहीं देना है–
    i) दूकानदार ii) तलवार का आकार iii) म्यान iv) कीमत

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. गुरु की महिमा के बारे में कबीर क्या कहते हैं?
2. जीवन की नश्वरता के बारे में कबीर के क्या विचार हैं?
3. दया और धर्म के संबध का वर्णन कीजिए।
4. समय के सदुपयोग के बारे में कबीर क्या कहते हैं?
5. कबीर के अनुसार ज़ान का क्या महत्व है?
6. कबीर के अनुसार निन्दक को क्यों पास रखना चाहिए?
7. कस्तूरी मृग के द्वारा कबीर कौन सी सीख देते हैं?
8. रम मिलन के बारे में कबीर के विचार स्पष्ट कीजिए।
9. गुरु और गोविन्द में से कबीर किसे चुनना चाहते हैं और क्यों?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. माटी कहै कुम्हार से, तू क्या रौंदे मोय।
   इक दिन ऐसो होयगो, मैं रौंदूँगी तोय॥

2. कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढे बन मांहि।
   ऐसे घटि घटि राम हैं, दुनिया देखै नांहि॥

3. निन्दक नियरे राखिये, आँगन कुटी छबाय।
   बिन पानी, साबुन बिना निर्मल करै सुभाय॥

4. काल करै सो आज कर, आज करै सो अब्ब।
   पल में परलै होयगा, बहुरि करैगा कब्ब॥

***

2. तुलसीदास के दोहे

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. तुलसीदास इन पर विश्वास करते हैं–
   i) सीता पर ii) श्रीराम पर iii) गुरु नरहरिदास पर iv) लक्ष्मण पर
2. तुलसीदास इन्हें अपना आराध्य देव मानते हैं–
   i) भगवान इन्द्र को ii) श्री कृष्ण को iii) श्रीराम को iv) शनिदेव को
3. तुलसीदास के अनुसार संत का स्वभाव इसकी तरह होता है–
   i) आम के पेड़ की तरह ii) सेब के पेड़ की तरह
   iii) बरगद के पेड़ की तरह iv) पीपल के पेड़ की तरह
4. तुलसीदास काया और मन की उपमा इससे देते हैं
   i) शरीर और आत्मा से ii) पाप और पुण्य से
   iii) खेत और किसान से iv) काम और क्रोध से
5. तुलसीदास के अनुसार मधुर वचन से यह मिटता है–
   i) झगड़ा ii) क्रोध iii) संकट iv) अभिमान
6. तुलसीदास कहते हैं–पंडित और मूर्ख एक समान तब लगते हैं–
   i) जब वे एक साथ होते हैं ii) जब काम, क्रोध, मद और लोभ को मन में रखते हैं
   iii) जब द्वेष और निंदा मन में रखते हैं iv) जब पाप–पुण्य के बीज मन में बोते हैं
7. तुलसीदास वहाँ जाने के लिए मना करते हैं–
   i) जहाँ कंचन बरसता है ii) जहाँ सुख और शांति नहीं मिलती
   iii) जहाँ अपने लोग नहीं होते iv) जहाँ आदर और स्नेह नहीं मिलता
8. तुलसी के अनुसार बिना तेज के पुरुष की अवस्था इस की तरह होती है–
   i) आग बुझने पर राख की तरह ii) बिना धन के कंगाल की तरह
   iii) अपाहिज की तरह iv) बेकार की तरह
9. तुलसी के एक दोहे के अनुसार सुअंब तरु दूसरों के हित के लिए यह देता है–
   i) गुठली ii) फल iii) रस iv) औषधि
11. दूध के उफान को इससे मिटाया जाता है–
   i) ईंधन से ii) आग से iii) हाथ से iv) शीतल जल से

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. तुलसीदास की रामभक्ति का वर्णन कीजिए।
2. तुलसीदास के अनुसार संत के स्वभाव का वर्णन कीजिए।
3. तुलसीदास ने मधुर वचन के महत्व का कैसे वर्णन किया है?
4. तुलसीदास के अनुसार मनुष्य को जीवन में सभी लोगों से कैसा व्यवहार रखना चाहिए?

5. तुलसीदास कुल रीति के पालन करने के संबंध में क्या कहते हैं?
6. तुलसीदास ने छत्तीस अंक को लेकर अपना कौन सा मत प्रकट किया है?
7. 'जैसा कर्म वैसा फल' इस बात को तुलसीदास ने पाप पुण्य का उदाहरण देकर कैसे स्पष्ट किया है?
8. तुलसीदास ने बुझी हुई आग का उदाहरण देकर क्या समझाया है?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. तुलसी काया खेत है, मनसा भयो किसान।
   पाप पुण्य दोउ बीज हैं, बुवै सो लुनै निदान॥

2. काम क्रोध, मद लोभ की, जौ लौ मन में खान।
   तौ लौ पंडित मूरखौ, तुलसी एक समान॥

3. तुलसी एहि संसार में, भाँति भाँति के लोग।
   सब सो हिल मिल बोलिए, नदी नाव संयोग॥

4. आवत ही हर्षे नहीं, नैनन नहीं सनेह।
   तुलसी तहाँ न जाइए, कंचन बरसे मेह॥

***

3. मीराबाई के पद

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. मीराबाई ने इन्हें अपना आराध्य माना–
   i) श्री राम को ii) श्रीकृष्ण को iii) ब्रह्मदेव को iv) श्री विनायक को
2. मीराबाई ने इसके लिए सारा जग छोड़ा–
   i) भजन के लिए ii) भक्ति के लिए iii) लोगों के लिए iv) श्रीकृष्ण के लिए
3. मीराबाई ने इनकी संगति में बैठकर लोक–लाज खोई–
   i) साधुओं की ii) अपनों की iii) भक्तों की iv) गिरिधर की
4. मीराबाई ने कृष्ण प्रेम को इससे सींचा–
   i) जल से ii) प्रेम से iii) आँसुओं से iv) आनंद से
5. विष का प्याला इन्होंने भेजा था–
   i) संतों ने ii) राणा ने iii) बंधुओं ने iv) लोगों ने
6. मीराबाई की लगन इसमें लगी है–
   i) कृष्ण भक्ति में ii) साधु भक्ति में iii) राम भक्ति में iv) जन सेवा में
7. श्रीकृष्ण के चरणकमल ऐसे हैं–

i) समंदर सी ii) अविनासी iii) थलवासी iv) करुणामयी

8. इसका घमंड नहीं करना चाहिए–

i) सुंदरता का ii) धन का iii) देह का iv) सत्ता का

9. यह संसार इसका खेल है–

i) पैसों का ii) चिड़ियों का iii) सुख–दुःख का iv) हार–जीत का

10. मीराबाई इन बन्धनों को नष्ट करने के लिए प्रार्थना करती है–

i) पारिवारिक ii) सांसारिक iii) पीड़ादायी iv) मोहनीय

11. मीराबाई का मन इसे देखकर रोता है–

i) जगत को ii) बंधुओं को iii) श्रीकृष्ण को iv) संतों को

12. मीराबाई ने प्रेम मग्न होकर इसे पी लिया–

i) पानी को ii) लस्सी को iii) दूध को iv) विष को

13. मीराबाई के अनुसार देह इसमें मिल जाएगी–

i) धूल में ii) अग्नि में iii) मिट्टी में iv) ज़मीन में

14. कौन स्वयं को कृष्ण की दासी मानती हैं?

i) कमला बाई ii) मीराबाई iii) सरोजिनी iv) नंदिनी

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. मीराबाई की कृष्णभक्ति का वर्णन कीजिए।
2. मीराबाई ने जीवन के सारतत्व को कैसे अपना लिया?
3. मीराबाई ने जीवन की नश्वरता के सम्बन्ध में क्या कहा है?
4. मीराबाई सांसारिक बंधन से क्यों मुक्ति चाहती हैं?
5. मीराबाई ने अपने ऊपर हुए अनाचारों का वर्णन कैसे किया है?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. म्हांरां री गिरधर गोपाल दूसरां न कूयां।
   दूसरां न कोवां साधां सकल लोक जूयां।
   भाया छांडया बंधां छांडया सगां सूयां।
   साधां संग बैठ–बैठ लोक लाज खूयां।

2. यो संसार चहर री बाजी साँझ पड्या उठ जासी।
   कहा भयां था भगवां पहर्या, घर तज लयां संन्यासी।
   जोगी होय जुगत ना जाना उलट जनम रां फाँसी।
   अरज करूंस अबला स्याम तुम्हारी दासी।

***

4. शरण वचनामृत

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. कनक, कामिनी और माटी को लोगों ने यह कहा–
   i) संसार ii) चाहत iii) मोहिनी iv) माया
2. अल्लमप्रभु के आराध्य देव ये थे–
   i) गुहेश्वर ii) कूडलसंगमदेव iii) चन्नमल्लिकार्जुन iv)आध्यात्मयोगी
3. बसवेश्वर के अनुसार ज़ान से यह दूर होता है–
   i) अंधकार ii) पाप iii) अज़ान iv) दुष्टता
4. बसवेश्वर के अनुसार ज्योति से यह दूर होता है–
   i) दीपक ii) बाती iii) अंधकार iv) बिजली
5. बसवेश्वर के आराध्य देव का नाम है–
   i) कूड़लसंगमदेव ii) गुहेश्वर iii) कल्लेश्वरा iv) चन्नमल्लिकार्जुन
6. महात्मा बसवेश्वर के अनुसार सत्य से यह दूर होता है–
   i) तमंध ii) असत्य iii) डर iv) घृणा
7. महात्मा बसवेशवर के अनुसार पारस से यह दूर होता है–
   i) महत्व ii) ममत्व iii) सत्व iv) लोहत्व
8. अक्कमहादेवी के अनुसार पर्वत पर घर बसाकर इनसे नहीं डरना चाहिए–
   i) अंधेरे से ii) जानवरों से iii) ऊँचाई से iv) ठंडी हवा से
9. अक्कमहादेवी के अनुसार हाट में बसाकर घर इससे नहीं डरना चाहिए–
   i) शोरगुल से ii) धूल से iii) धूप से iv) अशांति से
10. अक्कमहादेवी कहती हैं–जगत में जन्म लेने के बाद इससे नहीं डरना चाहिए–
    i) पाप–पुण्य से ii) खुशी और गम से iii) स्तुति–निंदा से iv) उतार–चढ़ाव से
11. अल्लमप्रभु के अनुसार यह माया है–
    i) कनक की चाह ii) कामिनी की चाह
    iii) मन के आगे जो चाह है वह iv) मिट्टी की चाह
12. बसवेश्वर कहते हैं–कूडलसंगमदेव के शरणों के अनुभाव से मेरा यह छूट गया–
    i) भव ii) जीव iii) मोह iv) घर
13. अक्कमहादेवी कहती हैं, सागर के किनारे घर बसाकर इनसे नहीं डरना चाहिए–
    i) पानी से ii) लहरों से iii) रेत से iv) जलचरों से
14. अक्कमहादेवी के आराध्य देव का नाम यह है–
    i) कूड़लसंगमदेव ii) गुहेश्वर iii) चन्नमल्लिकार्जुन iv) गंगेश्वर

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. अल्लमप्रभु देव ने माया के सम्बन्ध में क्या कहा है?

2. बसवेश्वर के विचारों को स्पष्ट कीजिए।
3. अक्कमहादेवी के अनुसार भवसागर में कैसे रहना चाहिए?
4. महात्मा बसवेश्वर का परिचय दीजिए।
5. शिवशरणी अक्कमहादेवी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. ज्ञान से अज्ञान दूर होता है,
ज्योति से तमंध दूर होता है,
सत्य से असत्य दूर होता है,
पारस से लोहत्व दूर होता है,

2. कहते हैं कनक माया है,कनक माया नहीं
कहते हैं कामिनी माया है,कामिनी माया नहीं
कहते हैं माटी माया है, माटी माया नहीं
मन के आगे जो चाह है, वही माया है, गुहेश्वर।

***

5. रीतिकालीन काव्य–रसखान के सवैये

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. रसखान मनुष्य रूप में अगला जन्म यहाँ लेना चाहते हैं–
i) नंद की धेनु मँझारन में ii) ब्रज गोकुल गाँव में
iii) गोवर्धन पर्वत पर iv) यमुना के किनारे
2. रसखान पशु रूप में जन्म लेने पर यहाँ रहना चाहते हैं–
i) द्वारका में ii) नंद की धेनुओं के मध्य में
iii) यमुना के तट पर iv) गोवर्धन पर्वत पर
3. रसखान पक्षी रूप में जन्म लेने पर इस वृक्ष की डाली पर बसना चाहते हैं–
i) शहतूत ii) पीपल iii) कदंब iv) बेर
4. गोपी सिर पर यह धारण करना चाहती है–
i) मोर मुकुट ii) पीतांबर वस्त्र iii) चंदन iv) बैजयंती माला
5. गोपी कृष्ण की मुरली को यहाँ नहीं रखना चाहती–
i) सिर पर ii) होठों पर iii) चरणों पर iv) पाहन पर
6. गोपी अपने गले में इसकी माला पहनना चाहती है–
i) मोती की ii) रत्नों की iii) फूलोंकी iv) गुँज की
7. गोपी पीतांबर पहनकर इसके संग घूमना चाहती है–
i) ग्वालिनों के ii) सखाओं के iii) ब्रजवासियों के iv) धेनुओं के

8. निम्न में से रसखान की रचना

i) सोरठ संग्रह ii) प्रेमवाटिका iii) गीतावली v) बीजक

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. रसखान ब्रजभूमि में क्यों जन्म लेना चाहते हैं?
2. गोपी क्या–क्या स्वांग भरती है?
3. गोपियों का कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम कैसा था?
4. रसखान ब्रज भूमि में किन रूपों में जन्म लेना चाहते हैं?
5. रसखान की कृष्णभक्ति की विशेषता प्रकट कीजिए।

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. मानुष हों, तो वही रसखानि बसौ ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पसु हौं, तो कहा बसु मेरो, चरौ नित नंद की धेनु मँझारन॥
पाहन हौं, तो वही गिरि कौ, जो धरयौ कर छत्र पुरन्दर धारन।
जो खग हौं, बसेरो करौं मिलि कालिन्दी–कूल–कदम्ब की डारन॥

2. मोर पखा सिर ऊपर राखिहौं, गुंज की माला गरें पहिरौंगी।
ओढ़ि पितम्बर लै लकुटी बन, गोधन ग्वारनि संग फिरौंगी॥
भावतो वोहि मेरो 'रसखानि', सो तेरे कहें सब स्वांग करौंगी।
या मुरली मुरलीधर की,अधरान–धरी अधरा न धरौंगी॥

***

(आ) आधुनिक कविता

1. कुटिया में राजभवन

मैथिलीशरण गुप्त

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. सीताजी का मन यहाँ भाया–
   i) वन में ii) कुटिया में iii) प्रकृति में iv) राजभवन में
2. सीता जी के प्राणेश थे–
   i) श्रीकृष्ण ii) श्रीराम iii) श्री शंकर iv) श्रीनाथ
3. सीता जी का मन कुटिया में ऐसे भाया जैसे वे –
   i) राजभवन में हों ii) मंदिर में हों iii) पिता के महल में हों iv) स्वर्ग में हों
4. सीता जी को नवीन फल नित्य यहाँ मिला करते हैं–
   i) बाज़ार में ii) डाली–डाली में iii) गाँव में iv) राजभवन में
5. सीता जी की गृहस्थी यहाँ जगी–
   i) वन में ii) अयोध्या में iii) कुटिया में iv) राजभवन में
6. `कुटिया में राजभवन' कविता के अनुसार वधु बनकर यह आयी है–
   i) मुनि बाला ii) जानकी iii) प्रकृति iv) सखी
7. सीता की सखियाँ ये हैं–
   i) मुनि बालाएँ ii) लहरें iii) पशु–पक्षी iv) पेड़–पौधे
8. सीता जी की कुटिया रूपी राजभवन में सचिव के रूप में हैं–
   i) राम ii) भरत iii) लक्ष्मण iv) शत्रुघ्न
9. सीता जी की कुटिया में आकर आशीष देने वाले हैं–
   i) माता–पिता ii) देवगण iii) मुनिवर iv) गुरुजन
10. सीता जी की कुटिया के पास नदी तट पर एक साथ पानी पीते हैं–
   i) पशु–पक्षी ii) मृग, सिंह iii) नर–नारी iv) मनुष्य, राक्षस
11. सीताजी के लिए यह क्रीड़ा सामग्री बन गई है–
   i) पेड़–पौधे ii) निज छाया iii) मुनिबाला iv) धूप–छाँव

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. सीताजी अपनी कुटिया में कैसे परिश्रम करती थीं?
2. सीताजी प्रकृति सौंदर्य के बारे में क्या कहती हैं?
3. सीताजी कुटिया में कैसे सुखी हैं?
4. ‘कुटिया में राजभवन’ कविता का आशय संक्षेप में लिखिए।

5. कुटिया में रहते हुए सीताजी राजसुख के बारे में क्या सोचती हैं?
6. सीताजी अपने भाग्य के बारे में क्या कहती हैं?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. औरों के हाथों यहाँ नहीं पलती हूँ,
अपने पैरों पर खड़ी आप चलती हूँ,
श्रमवारि–बिन्दु फल स्वास्थ्य शुक्ति फलती हूँ
अपने अंचल से व्यजन आप झलती हूँ।

2. कहता है कौन कि भाग्य ठगा है मेरा?
वह सुना हुआ भय दूर भगा है मेरा,
कुछ करने में अब हाथ लगा है मेरा,
वन में ही तो गार्हस्थ्य जगा है मेरा।

3. फल–फूलों से हैं लदी डालियाँ मेरी,
वे हरी पत्तलें–भरी थालियाँ मेरी,
मुनि बालायें हैं यहाँ आलियाँ मेरी।
तटीनी की लहरें और तालियाँ मेरी।

***

2. तोड़ती पत्थर

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. 'तोड़ती पत्थर' कविता में नारी यहाँ पर पत्थर तोड़ती थी–
i) हैदराबाद के पथ पर ii) इलाहाबाद के पथ पर
iii) सिकंदराबाद के पथ पर iv) अहमदाबाद के पथ पर
2. पत्थर तोड़ती नारी के तन का रंग ऐसा था–
i) गोरा ii) काला iii) साँवला iv) सुनहरा
3. पत्थर तोड़ने वाली नारी बार–बार यह करती थी–
i) हथौड़े से पत्थर पर प्रहार ii) छाँव में विश्राम
iii) धूप से बचने की कोशिश iv) मजबूरी को व्यक्त
4. 'तोड़ती पत्थर' कविता के अनुसार नारी इस समय पत्थर तोड़ रही थी–
i) प्रातः काल ii) दुपहर की धूप में iii) शाम में iv) रात में

5. पत्थर तोड़ती नारी के माथे से यह टपक रहा था–
   i) खून ii) पसीना iii) तेल iv) जल
6. 'तोड़ती पत्थर' कविता के कवि हैं–
   i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ii) मैथिलीशरण गुप्त
   iii) सुमित्रानंदन पंत iv) रामनिवास 'मानव'
7. पत्थर तोड़ती स्त्री को झुलसाती हुई यह उठी–
   i) हवा ii) लू iii) धूल iv) रेत
8. 'तोड़ती पत्थर' कविता के अनुसार काँपकर सुघरने वाली स्त्री यह थी–
   i) सड़क पर चल रही स्त्री ii) पत्थर तोड़ने वाली नारी iii) सब्जी बेचने वाली
   iv) सड़क साफ करने वाली
9. पत्थर तोड़ती नारी ने कवि को इस दृष्टि से देखा–
   i) जो मार खाकर रोई नहीं ii) ममता भरी दृष्टि से
   iii) निराश भाव की दृष्टि से iv) उल्लास से

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. इलाहाबाद के पथ पर पत्थर तोड़नेवाली स्त्री का चित्रण कीजिए।
2. किन परिस्थितियों में नारी पत्थर तोड़ रही थी?
3. 'तोड़ती पत्थर' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
4. पत्थर तोड़ने वाली स्त्री के मानसिक क्षोभ का चित्रण कीजिए।

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. गुरु हथौड़ा हाथ,
   करती बार–बार प्रहार–
   सामने तरु–मालिका अट्टालिका, प्राकार।

2. चढ़ रही थी धूप
   गर्मियों के दिन
   दिवा का तमतमाता रूप।

3. देखते देखा मुझे तो एक बार
   उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार।
   देखकर कोई नहीं,
   देखा मुझे उस दृष्टि से
   जो मार खा रोई नहीं।

***

3. उल्लास

सुभद्राकुमारी चौहान

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. 'उल्लास' कविता के अनुसार कवयित्री ने शैशव प्रभात में यह देखा–
   i) नव प्रभात ii) नव जीवन iii) नव विकास iv) नव यौवन
2. सुभद्राकुमारी चौहान ने यौवन के नशे में यह देखा–
   i) प्यार ii) हुलास iii) विकास iv) प्रकाश
3. 'उल्लास' कविता के अनुसार कवयित्री ने इसका विकास देखा–
   i) आशा ii) निराशा iii) उदासी iv) दुःख
4. 'उल्लास' कविता में कवयित्री ने इसका प्रकाश देखा–
   i) शैशव, यौवन तथा जीवन का ii) आकांक्षा, उत्साह तथा प्रेम का
   iii) ममता, दुलार तथा मादकता का iv) अशांति, घृणा तथा भीषणता का
5. चौहानजी ने 'उल्लास' कविता में बताया है कि उनको इसने कभी नहीं रुलाया–
   i) विरक्ति ने ii) निराशा ने iii) समस्या ने iv) घृणा ने
6. 'उल्लास' कविता के अनुसार कवयित्री ने हमेशा इस प्रकार का व्यवहार किया–
   i) कोमलता का ii) घृणा का iii) मधुर–प्रेम का iv) कठोरता का
7. 'उल्लास' कविता के अनुसार कवयित्री को प्रेम का यह दिखाई देता है–
   i) प्रकाश ii) सागर iii) संसार iv) जीवन
8. सुभद्राकुमारी चौहान के मन में यह विरक्ति नहीं आती थी–
   i) लोग झूठे हैं ii) जग झूठा है iii) हर जगह अशांति है iv) जीना बेकार है
9. 'उल्लास' कविता के अनुसार कवयित्री का जीवन यह लुटा रहा है–
   i) निर्मल प्यार ii) निर्मल जल iii) असीम संपत्ति iv) असीम ज्ञान
10. 'उल्लास' कविता के अनुसार कवयित्री ने जीवन में रोता हुए यह नहीं देखा–
    i) यौवन ii) शैशव iii) संसार iv) अन्तस्तल

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. 'उल्लास' कविता के आधार पर मानव हृदय में उठने वाले भावों को अपने शब्दों में लिखिए।
2. 'उल्लास' कविता में कवयित्री ने जीवन के सम्बन्ध में क्या कहा है?
3. 'उल्लास' कविता का आशय संक्षेप में लिखिए।
4. कवयित्री ने जीवन में प्रेम व्यवहार का महत्व कैसे प्रकट किया है?
5. 'सुभद्राकुमारी चौहान' जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण कैसे प्रकट करती हैं?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. जीवन में न निराशा मुझको,
   कभी रुलाने को आई।
   'जग झूठा है' यह विरक्ति भी,
   नहीं सिखाने को आई॥

2. मैं हूँ प्रेममयी, जग दिखता
   मुझे प्रेम का पारावार।
   भरा प्रेम से मेरा जीवन,
   लुटा रहा है निर्मल प्यार॥

3. मैं न कभी रोई जीवन में
   रोता दिखा न यह संसार।
   मृदुल प्रेम के ही गिरते हैं,
   आँखों से आँसू दो चार॥

***

4. तुम गा दो, मेरा गान अमर हो जाए

डॉ. हरिवंशराय 'बच्चन'

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. बच्चन जी ने इस प्रकार के गीत बनाए–
   i) सुन्दर रागात्मक ii) गूंज–गूंजकर मिटने वाले
   iii) अपूर्व संगीत वाले iv) सुख और उल्लास से भरे
2. कवि बच्चनजी ने यह लुटाया–
   i) कोष ii) अपना सुख iii) संपूर्ण जीवन iv) अपनी समृद्धि
3. कवि बच्चनजी इसे खोकर रंक हुए–
   i) पैसों को ii) निज निधि को iii) परिवार को iv) मित्रों को
4. बच्चनजी के अनुसार दुनिया ऐसी है–
   i) सुन्दर ii) मतलबी iii) संघर्षमयी iv) ममतामयी
5. कवि बच्चनजी का जीवन ऐसे बीता–
   i) सुख से ii) हँसते–खेलते iii) दुःख से iv) आराम से
6. 'तुम गा दो, मेरा गान...' कविता के अनुसार सुख की एक साँस पर यह निछावर है–
   i) अमरत्व ii) अपनत्व iii) व्यक्तित्व iv) लघुत्व

7. कवि बच्चनजी अपनी कविता द्वारा इसके अमर होने की बात करते हैं–
   i) गान ii) प्राण iii) मुस्कान iv) उड़ान
8. बच्चनजी इसके कंठ से दर्द की आवाज़ सुनते हैं–
   i) काग ii) कबूतर iii) कोकिल iv) मोर
9. 'तुम गा दो, मेरा गान...' कविता के अनुसार दुनिया में ये अनचाहे रह गये–
   i) कवि बच्चन ii) लोग iii) पाठक iv) कविताएँ
10. 'तुम गा दो, मेरा गान अमर हो जाए' कविता के कवि हैं–
    i) डॉ. प्रभाकर माचवे ii) डॉ. हरिवंशराय 'बच्चन'
    iii) डॉ. सरगु कृष्णमूर्ति iv) डॉ. रामनिवास 'मानव'

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. बच्चन जी ने जग में क्या लुटाया और क्यों?
2. बच्चन जी पाठकों को क्या-क्या भेंट देते हैं?
3. बच्चन जी ने संसार और जीवन के संबंध में क्या कहा है?
4. बच्चन जी की कविता 'तुम गा दो, मेरा गान अमर हो जाए' कविता का मूल भाव लिखिए।
5. बच्चन जी जीवन की अंतिम घड़ियों में भी क्या कहते हैं?
6. 'तुम गा दो, मेरा गान अमर हो जाए' कविता में समाज के प्रति मनुष्य के दायित्व को स्पष्ट कीजिए।

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. जब-जब जग ने कर फैलाये
   मैंने कोष लुटाया,
   रंक हुआ मैं निज निधि खोकर,
   जगती ने क्या पाया?

2. दुःख से जीवन बीता फिर भी
   शेष अभी कुछ रहता,
   जीवन की अंतिम घड़ियों में
   भी तुम से यह कहता,

3. सुन्दर और असुन्दर जग में
   मैंने क्या न सराहा,
   इतनी ममतामय दुनिया में
   मैं केवल अनचाहा।

5. प्रतिभा का मूल बिन्दु

डॉ. प्रभाकर माचवे

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. कवि प्रतिभा से यह पूछते हैं–
   i) कहाँ जन्म है तेरा? ii) क्या रूप है तेरा?
   iii) क्या उम्र है तेरी? iv) क्या इच्छा है तेरी?
2. कवि ने दिवा स्वप्न की रानी इसे कहा है–
   i) गायिका को ii) प्रतिभा को iii) निरी सूझ को iv) अनुभूति को
3. प्रतिभा के जन्म के बारे में बताते हुए शिल्पी ने इसकी ओर संकेत किया–
   i) मिट्टी के लौंदे की ओर ii) मिट्टी की मूर्ति की ओर
   iii) पत्थर की मूर्ति की ओर iv) मिट्टी के ढेर की ओर
4. प्रतिभा के जन्म के बारे में गायिका यह कह गयी–
   i) क्या तूने गायन का अभ्यास किया है? ii) क्या तुम्हें संगीत के सुरों का ज्ञान है?
   iii) क्या तूने दिव्य–स्वर की मदिरा पी है? iv) क्या तूने रागालाप किया है?
5. 'प्रतिभा का मूल बिन्दु' कविता के अनुसार प्रतिभा यहाँ बसती है–
   i) नवनवीन विस्मय में ii) सन्ध्या भाषा में
   iii) सिद्धों की पाहुड़–दूहा में iv) संघर्ष निरत साधक में
6. 'प्रतिभा का मूल बिन्दु' कविता के कवि हैं–
   i) डॉ. हरिवंशराय 'बच्चन' ii) डॉ. सरगु कृष्णमूर्ति
   iii) डॉ. प्रभाकर माचवे iv) डॉ. रामनिवास 'मानव'
7. प्रतिभा के जन्म के बारे में बताते हुए चित्रकार ने इन्हें समेट लिया–
   i) फलक, वर्ण और तूली को ii) अपने बनाए चित्रों को
   iii) विविध रंगों को iv) अपने कपड़ों को
8. असिधारा व्रत में यह बसती है–
   i) शिल्पकारी ii) कलाकारी iii) प्रतिभा iv) गायकी

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. कवि प्रतिभा का मूल कहाँ–कहाँ ढूँढते हैं?
2. कवि माचवे जी के अनुसार प्रतिभा के लक्षण लिखिए।
3. 'प्रतिभा का मूल बिन्दु' कविता का भाव संक्षेप में लिखिए।
4. 'प्रतिभा का मूल बिन्दु' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. "कहाँ जन्म है तेरा?" मैंने पूछा जब प्रतिभा से,
"महलों में? गुलगुले गलीचों पर? गुलाब की क्यारी में?
वृद्धों की चिंता में? बच्चों की दंतहीन किलकारी में?
बोलो, तुम रहती कहाँ? जानने को हम सब हैं कितने प्यासे!"

2. प्रतिभा बोली–"यातना, निरन्तर कष्ट–सहन की ताकत में
मैं बसती हूँ संघर्ष–निरत साधक में, असिधारा –व्रत में!"

***

6. तुम आओ मन के मुग्ध मीत

डॉ. सरगु कृष्णमूर्ति

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. 'तुम आओ मन के मुग्ध मीत' कविता के कवि अपने मित्र से ये कहते हैं–
   i) तुम आओ मन के मुग्ध मीत ii) तुम्हारे आने से मेरे दुःख बढ़ जाएँगे
   iii) तुम्हारे बगैर जीना मैंने सीख लिया है iv) तुम्हारे जैसा मित्र मुझे मिल गया है
2. 'तुम आओ मन के मुग्ध मीत' कविता के कवि अपने मित्र का ऐसे स्वागत करते हैं–
   i) मजबूरी से ii) झुककर सिर नवाकर iii) दिखावे के स्नेह से iv) दुःखी होकर
3. 'तुम आओ मन के मुग्ध मीत' कविता के कवि इससे बिछुड़कर रह गए हैं–
   i) अपने बच्चों से ii) अपनी जीवन संगिनी से
   iii) अपने मुग्ध मित्र से iv) सहकर्मियों से
4. 'तुम आओ मन के मुग्ध मीत' कविता के कवि हैं–
   i) डॉ. रामनिवास 'मानव' ii) डॉ. प्रभाकर माचवे
   iii) डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल iv) डॉ. सरगु कृष्णमूर्ति
5. डॉ. सरगु कृष्णमूर्ति जी के जीवन में कल्याण राग के आगमन से यह झनझना उठता है–
   i) अतीत ii) जीवन iii) भविष्य iv) संसार
6. डॉ. सरगु कृष्णमूर्ति जी के अनुसार इस क्षणिक संसार में उनके 'मन का मुग्ध मीत' ही एक ऐसा मित्र है जो–
   i) स्वार्थी है ii) व्यापारी मनोभाव वाला है iii) निस्वार्थ है iv) संतुष्ट है
7. 'तुम आओ मन के मुग्ध मीत' कविता के कवि अपने मित्र को देवलोक का ऐसा गीत मानते हैं–
   i) आशा गीत ii) आनंद गीत iii) स्वागत गीत iv) देव गीत

8. कवि डॉ. सरगु कृष्णमूर्ति जी 'जन्मों के जीवन–मृत्यु मीत' किसे कहते हैं?
   i) अपने मन के मुग्ध मीत को   ii) अपने गीतों को
   iii) अपनी भावनाओं को   iv) अपने रिश्तेदार को

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. अपने मुग्ध मित्र से बिछुड़कर कवि की आत्मा कैसे तड़प रही है?
2. कवि अपने मित्र को किन–किन शब्दों से पुकारते हैं?
3. कवि अपने मित्र की जुदाई से कैसे व्याकुल हो रहे हैं?
4. कवि की दुःखी आत्मा का परिचय दीजिए।
5. कवि का मन अपने मुग्ध मीत के लिए कैसे झंकृत हो रहा है?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. झन झनन झंझा झकोर–से झंकृत यह जीवन निशीथ
   सब क्षणिक, वणिक वत् स्वार्थ मग्न तुम एक मात्र निस्वार्थ मीत।

2. दुख दैन्य अश्रु दारिद्र्य धार–कर गए मुझे ही मनो–नीत
   तूफान और इस आँधी में सुनवाने रज का जीव गीत।

3. तुम देवलोक आनंद गीत–आशा अखण्ड शोभा परीत
   मैं स्नेह विकल झंकृत प्रगीत–तुम आओ मन के मुग्ध मीत॥

***

7. मत घबराना

रामनिवास 'मानव'

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. 'मत घबराना' कविता के कवि इस प्रकार आगे बढ़ने के लिए कहते हैं–
   i) धीरे–धीरे चलकर ii) तेज चलकर iii) कदम साधकर iv) कदम उठाकर
2. 'मत घबराना' कविता के कवि इनके साथ होने की बात करते हैं–
   i) चाँद और तारों के   ii) अपने साथी के
   iii) जमीन और आसमान के iv) अपने परिवार के
3. कवि रामनिवास 'मानव' इन्हें अपनी व्यथा सुनाने के लिए कहते हैं–
   i) धीर–वीर को ii) मित्र को iii) लोगों को iv) चन्दा और तारों को
4. 'मत घबराना' कविता के अनुसार पथ पर बार–बार ये टकराती हैं–
   i) समस्याएँ ii) बाधाएँ iii) चिंताएँ iv) हवाएँ

5. 'मत घबराना' कविता में कवि बीच राह में इ स तरह न रुकने को कहते हैं–
   i) डरकर या ललचाकर   ii) हारकर   iii) थककर   iv) चिंतित होकर
6. 'मत घबराना' कविता के अनुसार वीर काँटों को यह समझता है–
   i) दर्द   ii) मुसीबत   iii) फूल   iv) परेशानी
7. 'मत घबराना' कविता के अनुसार वीर इससे हाथ मिलाता है–
   i) विपदाओं से   ii) मित्र से   iii) वीरता से   iv) अच्छाई से
8. 'मत घबराना' कविता के अनुसार वीराने में ये बहती रहती हैं–
   i) हवाएँ   ii) नदियाँ   iii) खुशबू की लहरें   iv) धाराएँ
9. 'मत घबराना' कविता के अनुसार राही का रास्ता रोकने वाली हैं–
   i) हिरनियाँ   ii) विपत्तियाँ   iii) तूफानी हवाएँ   iv) तितलियाँ
10. 'मत घबराना' कविता में कवि ने इन्हें कायर कहा है–
   i) घबराने वालों को   ii) भागने वालों को
   iii) आलसी लोगों को   iv) झूठ बोलने वालों को
11. 'मत घबराना' कविता के अनुसार वीर यह कभी नहीं करते–
   i) चापलूसी   ii) शत्रुता   iii) क्रोध   iv) बहाना

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. 'मत घबराना' कविता में प्रकृति को प्रेरणास्रोत क्यों कहा गया है?
2. 'मत घबराना' कविता में कवि ने जीवन की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?
3. मंजिल किन्हें मिलती है? अपने शब्दों में लिखिए।
4. 'मत घबराना' कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।
5. कवि 'मानव' ने नवयुवकों को किन बातों से न घबराने की सलाह दी है?

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. मंजिल सदा उसी को मिलती
धीर–वीर जो बढ़ता जाता।
काँटों को भी फूल समझता,
विपदाओं से हाथ मिलाता।
कायर तो घबराते वे ही,
वीर न करते कभी बहाना।

2. कोई साथ न रहने पर भी
चन्दा–तारे साथ रहेंगे।
दर्द तुम्हारा बाँटेंगे वे,
तुमसे अपनी बात कहेंगे।

सच्चा साथी जान उन्हें तुम
अपनी सारी व्यथा सुनाना।

***

8. अभिनंदनीय नारी

डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. 'अभिनन्दनीय नारी' कविता में कवि ने नारी को इसके समान सहनशील कहा है–
   i) धरती ii) माता iii) प्रकृति iv) देवी
2. 'अभिनंदनीय नारी' कविता के अनुसार नारी बचपन में इनके मन में हिलोरें उठाती है–
   i) दादा–दादी के ii) माता–पिता के iii) पड़ोसियों के iv) सहेलियों के
3. कवि जयन्ती प्रसाद नौटियाल के अनुसार नारी ने इस धरती को धन्य कैसे किया?
   i) स्नेह और सेवा से ii) करुणा और ममता से iii) सहनशीलता से iv) उपकारों से
4. 'अभिनंदनीय नारी' कविता के अनुसार स्वार्थी संसार इसे याद नहीं रखता–
   i) उपकारों को ii) त्याग को iii) ममता को iv) सेवा को
5. कवि जयन्ती प्रसाद नौटियाल के अनुसार नारी अबला नहीं बल्कि यह है–
   i) रणचंडी ii) सबला iii) हिम्मतवाली iv) वंदनीय
6. 'अभिनंदनीय नारी' कविता के अनुसार जिस घर में नारी का सम्मान हो वहाँ यह होता है–
   i) समृद्धि ii) आनंद iii) प्रकाश iv) शांति
7. कवि जयन्ती प्रसाद नौटियाल के अनुसार नारी पृथ्वी पर इसका सार है–
   i) ऐश्वर्य ii) समृद्धि iii) सुख iv) शांति
8. कवि अपनी कविता 'अभिनंदनीय नारी' के माध्यम से नारी को इन शब्दों में सम्मानित करके नमन करते हैं–
   i) तुम वंदनीय, अभिनंदनीय हो ii) तुम सुख शांति हो
   iii) तुम आनंद–उल्लास हो iv) तुम बुद्धिमति हो
9. कवि जयंती प्रसाद नौटियाल के अनुसार नारी बाबुल के आंगन में इस पौधे के समान है–
   i) नीम के ii) तुलसी के iii) गुलाब के iv) पारिजात के
10. 'अभिनंदनीय नारी' कविता के अनुसार जीवन में अगर नारी न हो तो यह बेकार है–
    i) ऐश्वर्य ii) मानव जीवन iii) समाज iv) सृष्टि

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. नारी के विभिन्न गुणों का परिचय दीजिए।
2. नारी के बचपन का चित्रण कीजिए।
3. नारी के शक्ति रूपों का वर्णन कीजिए।
4. नारी किस प्रकार से सृष्टि का श्रृंगार है?
5. नारी के किस योगदान का प्रतिदान इस संसार से नहीं मिला? 'अभिनंदनीय नारी' कविता के आधार पर लिखिए।

III. ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए:

1. इस धरा पर मृदुल रस धार–सी तुम सुख का सार हो नारी
तुम वंदनीय हो, अभिनंदनीय हो, सादर नमन तुम्हें हे नारी.....!
धरा सी सहनशील, जल–सी निर्मल, फूलों सी कोमल तुम नारी
जीवन की गति, जीवन की रति, जीवन की मति हो तुम नारी....!

2. नारी अबला नहीं बल्कि यह नारी रणचंडी भी है,
कृत्या है यह दुर्दम, दैत्य नाशिनी दुर्गा माँ भी है।
शक्ति और शिवानी है यह और कात्यायिनी भी है
दैत्यों के शोणित को पीने वाली महाकाली भी है॥

3. विविध रूपों से सजी यह नारी सृष्टि का श्रृंगार है।
नारी ही न हो तो फिर किस काम का यह संसार है।
जिस घर में इसका सम्मान है वह आनंद का आगार है।
अगर जीवन में नारी न हो, तो मानव जीवन ही बेकार है॥

***

तृतीय सोपान–अपठित भाग (कहानियाँ)

1. मधुआ

जयशंकर प्रसाद

I) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1 ठाकुर सरदार सिंह का लड़का यहाँ पढ़ता था–
i) दिल्ली ii) हैदराबाद iii) लखनऊ iv) आगरा

2. 'मधुआ' कहानी के अनुसार बड़े–बड़ों का घमंड चूर होकर इसमें मिल जाता है–
i) कीचड़ ii) गर्त iii) पानी iv) धूल

3. गंदी कोठरी में बालक को खाने के लिए मिला–
i) पराठे का टुकड़ा ii) सेब का टुकड़ा iii) लड्डू iv) रबड़ी

4. शराबी के हाथ में कितने रुपए थे?
i) चार ii) दो iii) एक iv) दस

5. सीली जगह पर सोते हुए बालक को ओढ़ने के लिए मिला–
i) फटी कंबल ii) रज़ाई iii) पुराना कोट iv) दरी

6. बालक की आँखें सौगंध खा रही थीं–
i) खाना न खाने की ii) झूठ न बोलने की
iii) घर जाने की iv) दृढ़ निश्चय की

7. 'मधुआ' कहानी में कहानी सुनने का शौक़ इसको था–
i) ठाकुर सरदारसिंह को ii) लल्लू को iii) रामजी को iv) ठाकुर के पुत्र को

8. शराबी ने रामजी की कोठरी में रखा था–
i) गहने ii) आटा पीसने की चक्की iii) सान धरने की कल iv) रुपए

9. 'मधुआ' कहानी में लल्लू था–
i) मधुआ का पिता ii) ठाकुर का जमादार iii) शराबी का भाई iv) रामजी का भाई

10. शराबी को यह सौगंध लेनी पड़ी–
i) काम न करने की ii) कहानी न सुनाने की
iii) शराब न पीने की iv) माँस न खाने की

11. 'मधुआ' कहानी के कहानीकार हैं–
i) प्रेमचंद ii) भीष्म साहनी iii) अमरकांत iv) जयशंकर प्रसाद

12. 'शराबी' इस कहानी का पात्र है–
i) श्मशान ii) पूस की रात iii) मधुआ iv) दोपहर का भोजन

13. रामजी इस नदी में स्नान करता है–
i) गंगा ii) गोमती iii) यमुना iv) शरावती

14. निम्न में यह 'मधुआ' कहानी का पात्र नहीं है–
i) शराबी ii) सरदारसिंह iii) लल्लू iv) शंकर
15. 'मधुआ' कहानी इस समस्या को रेखांकित करती है–
i) रोज़गार समस्या ii) बाल उत्पीड़न iii) स्त्री शोषण iv) आपसी मतभेद
16. जयशंकर प्रसाद ने 'मधुआ' कहानी द्वारा प्रकट किया है–
i) शराबी का गुस्सा ii) शराबी की मानवीय संवेदना
iii) ठाकुर की दरियादिली iv) लल्लू की दिलेरी
17. "तो सूअर रोता क्यों है? कुँवर साहब ने दो ही लातें लगाई हैं! कुछ गोली तो नहीं मार दी?" '–'मधुआ' कहानी का यह कथन इनके द्वारा कहा गया है–
i) लल्लू ii) शराबी iii) ठाकुर iv) रामजी
18. "अच्छा सुनिए, सबेरे कुहरा पड़ता था, मेरे धुँआ से कम्बल सा वह भी सूर्य के चारों ओर लिपटा था। हम दोनों मुँह छिपाये पड़े थे।"
इन पंक्तियों में 'हम दोनों' से मतलब है–
i) शराबी और सूर्य ii) शराबी और मधुआ
iii) ठाकुर और उनका बेटा Iv) शराबी और रामजी
19. 'मधुआ' कहानी में शराबी गली में किसे घसीटता हुआ लेकर गया?
i) अपने कुत्ते को ii) रामजी को iii) मधुआ को iv) लल्लू को
20. मधुआ के लिए भोजन का प्रबन्ध करने गया शराबी स्वयं को कहाँ खड़ा पाता है?
i) शराब के अड्डे पर ii) होटल के सामने
iii) मिठाई की दूकान पर iv) ठाकुर की हवेली के सामने
21. 'मधुआ' कहानी में जिस नदी का उल्लेख किया गया है, वह है–
i) गोमती ii) शरावती iii) गंगा Iv) यमुना
22. बालक मधुआ का शोषण किसके द्वारा किया गया था?
i) कुँवर साहब ii) ठाकुर साहब iii) शराबी iv) रामजी
23. शराबी ठाकुर साहब का मन बहलाता था–
i) कहानी सुनाकर ii) गीत गाकर iii) चुटकुले सुनाकर iv) गीता पाठ के द्वारा
24. "तुम झूठे हो, अभी तो तुम्हारे कपड़ों से महक आ रही है!"
'मधुआ' कहानी के इस कथन में 'महक' शब्द से तात्पर्य–
i) फूलों की खुशबू ii) साबुन की महक iii) शराब की बू iv) इत्र की महक
25. कुँवर साहब का कोट लिये खेल में दिन भर साथ–साथ चल रहा था–
i) लल्लू ii) रामजी iii) मधुआ iv) शराबी
26. 'मधुआ' कहानी के इस पात्र को रोने से बैर है–
i) शराबी को ii) रामजी को iii) मधुआ को iv) लल्लू को

27. शराबी मिठाई की दूकान से कितने रुपयों का सामान खरीदता है?
    i) दो ii) ढाई iii) एक iv) तीन
28. रामजी के यहाँ जो सान धरने की कल थी, वह इसकी थी–
    i) मधुआ की ii) लल्लू की iii) ठाकुर की iv) शराबी की
29. शराबी मधुआ को यह काम सिखाना चाहता था–
    i) सूत कातना ii) सान धरना iii) व्यापार करना iv) मिट्टी के बर्तन बनाना
30. "अब तो शराब न पीने की मुझे भी सौगंध लेनी पड़ी।"
    इसमें सौगंध लेने वाला व्यक्ति है–
    i) रामजी ii) लल्लू iii) ठाकुर iv) शराबी

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. शराबी ठाकुर सरदारसिंह को कौन–कौन सी कहानियाँ सुनाता था?
2. शराबी को बच्चा कहाँ मिला? वह उसे अपने साथ क्यों लाया?
3. शराबी एक रुपए से क्या खरीदना चाहता था और बाद में क्या खरीद लाया?
4. शराबी के जीवन में मधुआ के आने के बाद क्या परिवर्तन आया?
5. मधुआ पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए।
6. मधुआ के जीवन के कष्टों का निवारण किस प्रकार हुआ?
7. मधुआ के दायित्व ने शराबी के जीवन को किस प्रकार बदल दिया?
8. जयशंकर प्रसाद जी की 'मधुआ' कहानी से स्पष्ट कीजिए कि 'नियति से अधिक कर्म प्रधान है।'
9. 'मधुआ' कहानी के आधार पर शराबी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
10. शराबी अपनी कोठरी में बालक मधुआ को देखकर मन ही मन क्या सोचने लगा?

***

2. श्मशान

मन्नू भंडारी

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. 'श्मशान कहानी में मानव की इस प्रवृत्ति का चित्रण किया गया है–
   i)) अधिक साधनों का दोहन ii) झूठ बोलने की प्रवृत्ति
   iii) वचन निभाने की प्रवृत्ति iv) स्वार्थी प्रवृत्ति
2. श्मशान मनुष्य से प्यार के बदले यह पाता है–
   i) घृणा ii) प्रेम iii) स्नेह iv) ईर्ष्या

3. श्मशान अपनी भावनाओं को इससे व्यक्त करता था–

i) नदी ii) पहाड़ी iii) झरना iv) पेड़

4. 'श्मशान' कहानी में युवक की पहली पत्नी का नाम था–

i) तारकेशी ii) परमेशी iii) सुकेशी iv) कमलाक्षी

5. श्मशान किसे अपनी गोद में समा लेना चाहता था?

i) युवक की दूसरी पत्नी को ii) डोम को iii) पहाड़ी को iv) युवक को

6. श्मशान के मन में वर्षों से जिसके प्रेम की अलौकिक धारणा जमी हुई थी वह था–

i) पहाड़ ii) प्रकृति iii) मनुष्य iv) पृथ्वी

7. पाँच वर्षों में युवक की इतनी पत्नियाँ मर चुकी थीं–

i) दो ii) तीन iii) चार iv) एक

8. 'श्मशान' कहानी के अनुसार मनुष्य सबसे अधिक प्रेम इससे करता है–

i) पत्नी से ii) अपने आप से iii) अपने माता पिता से iv) शमशान से

9. 'श्मशान' कहानी के रचनाकार हैं–

i) जयशकर प्रसाद ii) प्रेमचन्द iii) महादेवी वर्मा iv) मन्नू भंडारी

10. 'श्मशान' कहानी में कबीर के दोहे की तान छेड़ने वाला यह था–

i) डोम ii) पहाड़ी iii) युवक iv) श्मशान

11. श्मशान के मन में इंसान के प्रति ऐसे भाव हैं–

i) प्रेम ii) घृणा iii) क्रोध iv) स्नेह

12. 'श्मशान' कहानी के अनुसार संसार में जब मनुष्य को एक दिन के लिए भी स्थान न मिले तब उसे अपनी गोद में लेने वाला है–

i) श्मशान ii) माँ iii) पिता iv) पहाड़

13. श्मशान के अनुसार मनुष्य की सबसे बड़ी निधि है–

i) ज़मीन ii) धन iii) प्रेम iv) शांति

14. श्मशान और शहर के बीच थी–

i) नदी ii) पहाड़ी iii) पगडंडी iv) देवी

15. श्मशान की बातों पर पहाड़ी की मुस्कुराहट ऐसी होती थी–

i) व्यंग्यात्मक ii) संतुष्ट iii) उदास iv) भावहीन

16. "मैं भी मजनू होता और लैला के वियोग में अपने को कुर्बान कर देता।" 'श्मशान' कहानी के कथन में 'मैं' है–

i) डोम ii) युवक iii) श्मशान iv) पहाड़ी

17. "बड़ी तमन्ना है इंसान बनने की?" 'श्मशान' कहानी के इस कथन में इंसान बनने की तमन्ना इसको है–

i) डोम ii) युवक iii) श्मशान iv) पहाड़ी

18. श्मशान अपने सौ जीवन इसे पाने के लिए कुर्बान कर सकता है–

i) शांति पूर्ण जीवन ii) सुहाना वातावरण

iii) मनुष्य जैसा प्रेममय हृदय iv) मनुष्य जैसा जीवन

19. श्मशान के हृदय को बेधने वाला क्रंदन इसका था–

i) डोम ii) युवक iii) सुकेशी iv) पहाड़ी

20. युवक के अनुसार उसकी अनुगामिनी थी–

i) सुकेशी ii) तीसरी पत्नी iii) दूसरी पत्नी iv) तीसरी पत्नी

21. "जिसके हृदय को प्रेम की पीर ने बेध दिया वह कभी जीवित नहीं रह सकता।" श्मशान के विचार किसके लिए हैं?

i) सुकेशी ii) युवक iii) दूसरी पत्नी iv) पहाड़ी

22. सहगामिनी बनकर युवक के साथ चलने वाली थी–

i) सुकेशी ii) दूसरी पत्नी iii) तीसरी पत्नी iv) कोई नहीं

23. पहाड़ी के अनुसार मनुष्य बार–बार प्रेम इसलिए करता है–

i) खुश रहने के लिए ii) जीवन की पूर्णता के लिए

iii) समय बिताने के लिए iv) घृणा से दूर रहने के लिए

24. युवक के जीवन की पथ प्रदर्शिका थी–

i) सुकेशी ii) दूसरी पत्नी iii) तीसरी पत्नी iv) उसकी माँ

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. श्मशान ने आह भरकर पहाड़ी से क्या कहा?
2. मनुष्य के प्रेम के बारे में श्मशान के विचार प्रकट कीजिए।
3. पहली पत्नी की मृत्यु पर युवक किस प्रकार विलाप करने लगा?
4. युवक अपनी तीसरी पत्नी की मृत्यु के उपरांत उसे सबसे अधिक गुणी क्यों समझता है?
5. अंततः पहाड़ी ने तरस खाकर श्मशान से क्या कहा?
6. श्मशान कहानी का आशय लिखिए।
7. दूसरी पत्नी के बारे में युवक के क्या विचार थे?
8. नवयुवक के बारे में श्मशान का अंतःकरण क्या कह रहा था?
9. श्मशान के अनुसार मनुष्य अपने प्रिय से किस प्रकार प्रेम करता है?
10. पहाड़ी श्मशान पर क्यों तरस खाता है?
11. पहाड़ी की व्यंग्यात्मक हंसी कहानी के उद्देश्य को किस प्रकार उजागर करती है? समझाइए।

***

3. खून का रिश्ता

भीष्म साहनी

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. हाथ में चिलम थामे चाचा मंगलसेन यह देख रहा था–
   i)) सिनेमा ii) सपना iii) चित्र iv) पत्रिका
2. बाबूजी के घर में एक पुराना नौकर था, उसका नाम था–
   i) सन्तू ii) रामू iii) हरिया iv) सोमू
3. वीरजी की पढ़ाई कहाँ तक हुई थी?
   i) बी ए ii) मेट्रिक iii) एम ए iv) एम फिल
4. चाचा मंगलसेन सपने में जिसके घर में बैठा था वह था–
   i) दोस्त का ii) पड़ोसी का iii) समधी का iv) रिश्तेदार का
5. 'खून का रिश्ता' कहानी में चाचा मंगलसेन का मन इस आयोजन में भाग लेने के लिए ललक उठा–
   i) रामलीला ii) संगीत iii) वीरजी की शादी iv) वीरजी की सगाई
6. मंगलसेन और सन्तू के बीच कितने रुपयों की शर्त लगी थी?
   i) दो ii) सौ iii) दस iv) हज़ार
7. 'ब्याह–शादियों पर पैसे बर्बाद नहीं करना चाहिए।' यह सिद्धांत इनका था–
   i) माँजी ii) बाबूजी iii) चाचाजी iv) मनोरमा
8. वीरजी अपनी सगाई कितने रुपयों में करना चाहते थे?
   i) पाँच सौ ii) सवा रुपया iii) ढाई रुपये iv) दस रुपये
9. माँ की शिकायत भरी बातों से सन्तू को ऐसा लगा जैसे–
   i) बिजली गिरी हो ii) थप्पड़ मारा हो iii) पीठ पर चाबुक पड़ी हो iv) गाली दी हो
10. इसका सपना साकार हो उठा–
    i) सन्तू का ii) मनोरमा का iii) बाबूजी का iv) मंगलसेन का
11. 'खून का रिश्ता' कहानी में प्रभा है–
    i) मनोरमा की सहेली ii) मंगलसेन की पुत्री
    iii) वीरजी की दोस्त iv) वीरजी की मंगेतर
12. प्रभा की शैक्षणिक योग्यता थी–
    i) एम ए ii) बी ए iii) मेट्रिक iv) कुछ नहीं
13. चाँदी की थाल में कितनी चाँदी की कटोरियाँ थीं?
    i) चार ii) तीन iii) दो iv) पाँच
14. वीरजी की बहन का नाम था–
    i) प्रभा ii) मनोरमा iii) सावित्री iv) पूर्णिमा

15. समधियों से प्राप्त चाँदी के एक चम्मच की कीमत थी–
i) पाँच रुपये ii) पचास रुपये iii) पाँच सौ रुपये iv) पाँच हज़ार रुपये
16. प्रभा का भाई वीरजी के घर इसलिए आया था–
i) वीरजी से मिलने के लिए ii) चाँदी का चम्मच देने के लिए
iii) मनोरमा से मिलने के लिए iv) खेलने के लिए
17. माँजी किसका लिहाज़ करने के लिए कह रही थीं?
i) संस्कार का ii) खून के रिश्ते का iii) उम्र का iv) पड़ोसियों का
18. माँजी ने थाल पर से रुमाल हटाया तो चाँदी के कितने चम्मच दिखाई दिये?
i) तीन ii) दो iii) चार iv) एक
19. चाचा मंगलसेन की आयु थी–
i) साठ साल ii) पैंतालीस साल iii) सतासी साल iv) पचास साल
20. 'खून का रिश्ता' कहानी के रचनाकार हैं–
i) भीष्म साहनी ii) मन्नू भंडारी iii) जयशंकर प्रसाद iv) महादेवी वर्मा
21. "एक थप्पड़ मैं तेरे मुँह पर लगाऊँगा..." इस वाक्य में किसके मुँह पर थप्पड़ लगाने की बात हो रही है?
i) सन्तू ii) मंगलसेन iii) मनोरमा iv) वीरजी
22. 'खून का रिश्ता' कहानी के माध्यम से यह दर्शाया गया है–
i) पारिवारिक क्लेश ii) टूटते रिश्तों की वास्तविकता
iii) पारिवारिक समृद्धि iv) पड़ोसियों का प्रेम

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. चाचा मंगलसेन ने जागृत स्वप्न में क्या देखा?
2. चाचा मंगलसेन के अनुसार बाबूजी के परिवार में उनकी उपस्थिति का क्या महत्व था?
3. चाचा मंगलसेन के प्रति बाबूजी के क्या विचार थे?
4. मंगलसेन के प्रति माँजी का व्यवहार कैसा था?
5. सगाई में जाने की मंजूरी मिलने पर मंगलसेन किस प्रकार खुश हुआ?
6. वीरजी अपनी सगाई किस प्रकार करवाना चाहते थे?
7. बाबूजी और वीरजी के आपसी वैचारिक मतभेद का चित्रण कीजिए।
8. चाचा मंगलसेन के बाह्य स्वरूप का चित्रण कीजिए।
9. सगाई में जाने के लिए तैयार हुए मंगलसेन को देखकर माँजी का दिल क्यों बैठ गया?
10. घरवालों ने चाचा मंगलसेन का कायाकल्प कैसे किया?
11. एक चम्मच के खो जाने पर मंगलसेन के साथ घरवालों का व्यवहार कैसा था?
12. चाँदी के चम्मच के खो जाने की घटना से कहानी के उद्देश्य की पूर्ति किस प्रकार होती है? समझाइए।
13. वीरजी के परिवार का परिचय दीजिए।

14. मंगलसेन को अपनी हैसियत पर क्यों नाज़ था?
15. सन्तू का परिचय दीजिए।
16. समधियों के घर मंगलसेन की आवभगत कैसे हुई?
17. समधी अंदर से थाल में क्या–क्या लेकर आए?
18. चम्मच खो जाने पर वीरजी की क्या प्रतिकिया हुई?
19. 'खून का रिश्ता' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

***

4. शीत लहर

डॉ.जयप्रकाश कर्दम

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. 'शीत लहर' कहानी के लेखक हैं–
   i) जयशंकर प्रसाद ii) डॉ. जयप्रकाश कर्दम iii) डॉ. सुशीला टाकभौरे iv) अमरकांत
2. चन्द्रप्रकाश की नौकरी इस जगह पर थी–
   i) लक्ष्मीबाई नगर ii) द्वारका iii) मेहरौली iv) अक्षरधाम
3. चन्द्रप्रकाश का फ्लैट दिल्ली के इस क्षेत्र में था–
   i) चाँदनी चौक ii) लक्ष्मीबाई नगर iii) द्वारका iv) साकेत
4. 'शीत लहर' कहानी में बताया गया है कि रैन बसेरों में वही रात गुज़ार सकते हैं जो–
   i) पुलिस को रिश्वत दे सकें ii) जो दूसरे राज्य से आए हैं
   iii) जो संचालकों को सुविधा शुल्क दे सकें iv) जो वृद्ध हों
5. फ्लैट का कब्ज़ा मिलने के बाद चन्द्रप्रकाश की नियमित ड्यूटी थी–
   i) फ्लैट साफ़ करना ii) फ्लैट में जाने के सपने देखना
   iii) फ्लैट के लिए सामान खरीदना iv) द्वारका जाना
6. आर्थिक तंगी से उभरने के लिए चन्द्रप्रकाश सोचता था कि–
   i) फ्लैट को बेच दे ii) गहने बेच दे
   iii) फ्लैट को किराए पर उठा दे iv) बैंक से ऋण ले
7. रख–रखाव के खर्च के लिए चन्द्रप्रकाश हाउसिंग सोसाइटी को इतने रुपये देता था–
   i) एक हज़ार ii) तीन हज़ार iii) ढाई हज़ार iv) पाँच सौ रुपये
8. लक्ष्मीबाई नगर में चन्द्रप्रकाश जिस घर में था वह था–
   i) खुद का ii) सरकारी आवास iii) रिश्तेदारों का iv) बेटे का
9. चन्द्रप्रकाश द्वारका के फ्लैट में रहने के लिए जाना नहीं चाहता था, क्योंकि–
   i) फ्लैट सुन्दर नहीं था ii) पत्नी की इच्छा नहीं थी
   iii) फ्लैट में कोई सुविधा नहीं थी iv) ऑफिस से दूर था

10. फ्लैट के किराए के रेट की जानकारी चन्द्रप्रकाश को इससे मिलती थी–
    i) अपने दोस्त से ii) सोसाइटी अध्यक्ष से
    iii) सोसाइटी के चौकीदार से iv) पड़ोसी से
11. सोसाइटी जाता तो चन्द्रप्रकाश को ऐसा अनुभव होता था–
    i) पीड़ा का ii) दुःख का iii) चिंता का iv) राहत का
12. 'शीत लहर' कहानी के अनुसार जनवरी के महीने में रात में दिल्ली का तापमान होता था–
    i) पन्द्रह डिग्री सेल्सियस ii) चार डिग्री सेल्सियस
    iii) दस डिग्री सेल्सियस iv) पाँच डिग्री सेल्सियस
13. शीत लहर का मुकाबला करने के लिए फुटपाथ पर सोने वालों के लिए सरकार ने यह व्यवस्था की थी–
    i) बिछौनों की ii) गर्म कपड़ों की iii) जगह अलाव जलाने की iv) घरों की
14. शीत लहर से बचने के लिए धनी लोगों, स्वयं सेवी संस्थाओं और राजनेताओं ने ग़रीबों की इस प्रकार मदद की–
    i) ऊनी वस्त्र और कंबल बाँटकर ii) गर्म खाना देकर
    iii) अलाव जलाकर iv) रुपये देकर
15. चन्द्रप्रकाश की पत्नी का नाम यह है–
    i) नूतन ii) पूनम iii) पवित्रा iv) नीलिमा
16. चन्द्रप्रकाश के अनुसार बेरोज़गारी इस तरह बढ़ती जा रही है–
    i) जनसंख्या की तरह ii) गंदगी की तरह
    iii) सुरसा के मुँह की तरह iv) घास की तरह
17. चन्द्रप्रकाश के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति कैसे जीना चाहता है?
    i) दौलत के साथ ii) खुशी के साथ iii) सम्मान के साथ iv) घरवालों के साथ
18. चन्द्रप्रकाश कहते हैं, भीख माँगना किसी भी व्यक्ति के लिए होता है–
    i) गर्वान्वित ii) कष्टकर iii) सुविधाजनक iv) अपमानजनक
19. चन्द्रप्रकाश का विचार है कि भिखारी भीख तब नहीं माँगेंगे जब उन्हें–
    i) काम मिल जाए ii) घर मिल जाए iii) खाना मिल जाए iv) रुपया मिल जाए
20. चन्द्रप्रकाश के फ्लैट में गंदी हवा इसलिए फैली थी–
    i) पास में गंदी नाली थी ii) चारों ओर से फ्लैट बन्द था
    iii) कबूतरों ने गंदगी फैलाई थी iv) कूड़ा–कचरा फैला था
21. चन्द्रप्रकाश के फ्लैट में राज कर रहे थे–
    i) मच्छर–मक्खी ii) नौकर–चाकर iii) कबूतर iv) कुत्ते–बिल्ली
22. चन्द्रप्रकाश ने देखा कि सड़क के किनारे बच्चे यह ओढ़े बैठे थे–
    i) कम्बल ii) फटी पुरानी साड़ी iii) पुराना कोट iv) रज़ाई
23. बच्चों की उदास आँखें इस भाव से चन्द्रप्रकाश को देख रही –

i) आशा और उत्सुकता ii) दुःख और मायूसी iii) खुशी और उमंग iv) क्रोध और नफ़रत

24. चन्द्रप्रकाश ने ग़रीब बच्चों को इतने रुपये देना चाहा–
    i) दस ii) सौ iii) दो iv) पाँच
25. 'शीत लहर' कहानी के अनुसार ग्रूप हाउसिंग सोसाइटी के अधिकांश लोग यहाँ रह रहे थे–
    i) रिश्तेदारों के घरों में ii) सरकारी आवासों में iii) होटलों में iv) गेस्ट हाउज़ में
26. फ्लैट का दरवाज़ा लॉक करते समय चन्द्रप्रकाश ने इनका जोड़ा देखा–
    i) तोता–मैना का ii) गौरैयों का iii) बिल्ली–बिलाव का iv) कबूतरों का

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. चन्द्रप्रकाश सोसाइटी के फ्लैट में क्यों नहीं रहते थे?
2. दिल्ली में शीत लहर के प्रकोप का वर्णन कीजिए।
3. चन्द्रप्रकाश के फ्लैट का वर्णन कीजिए।
4. 'क्या जिन्दगी है इन लोगों की.....|' चन्द्रप्रकाश के उद्‌गार पर टिप्पणी लिखिए।
5. लक्ष्मीनगर से द्वारका तक रास्ते में कौन सा नज़ारा देखने को मिलता था?
6. दिल्ली में बेघर लोगों को शीत लहर से बचाने के लिए क्या–क्या व्यवस्था की जा रही थी?
7. बेघर लोगों के प्रति पूनम के क्या विचार हैं?
8. पूनम का विचार था कि 'बेघर लोग अपनी परिस्थिति के खुद ज़िम्मेदार हैं।' इस पर चन्द्रप्रकाश के क्या विचार थे?
9. चन्द्रप्रकाश अपने फ्लैट में बेघर लोगों को क्यों नहीं रख पाया?
10. बेघर लोगों को अपने फ्लैट में रहने देने की बात पर पूनम की क्या प्रतिक्रिया थी?
11. बेघर लोगों को फ्लैट में रहने देने की बात पर सोसाइटी के सेक्रेटरी ने क्या कहा?
12. चन्द्रप्रकाश को अपनी विवशता पर क्यों क्षोभ हुआ?
13. चन्द्रप्रकाश की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
14. पूनम का चरित्र–चित्रण कीजिए।
15. 'शीत लहर' कहानी के आशय पर प्रकाश डालिए।

***

5. सिलिया

डॉ.सुशीला टाकभौर

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. 'सिलिया' कहानी के अनुसार शैलजा को उसकी नानी इस नाम से पुकारती थी–
   i) शैलू ii) सिल्लो iii) सिलिया iv) सिल्लो रानी
2. 'शैलजा' नाम इनका दिया हुआ था–
   i) माँ का ii) बड़े भाई का iii) नानी का iv) मामी का
3. शैलजा के माता–पिता उसे इस नाम से पुकारते थे–
   i) शैलू ii) सिल्लो iii) सिलिया iv) सिल्लो रानी
4. सन् 1970 में सिलिया इस कक्षा में पढ़ रही थी–
   i) ग्यारहवीं ii) पाँचवीं iii) छटी iv) दसवीं
5. 'सिलिया' कहानी के अनुसार 'नई दुनिया' अखबार में यह विज्ञापन छपा था–
   i) 'सवर्ण वधू चाहिए' ii) 'शिक्षित वधू चाहिए'
   iii) 'शूद्रवर्ण की वधु चाहिए' iv) 'ठाकुर खानदान की वधू चाहिए'
6. 'सिलिया' कहानी में चित्रित भोपाल के युवा नेता का नाम था–
   i) सेठीजी ii) ठाकुरजी iii) पांडेजी iv) सरदारजी
7. 'सिलिया' कहानी के सेठीजी ऐसी कन्या के साथ विवाह करना चाहते थे–
   i) सवर्ण कन्या ii) शिक्षित कन्या iii) अछूत कन्या iv) सुन्दर कन्या
8. 'सिलिया' कहानी के सेठीजी ने विवाह के लिए यह शर्त रखी थी–
   i) कन्या डिग्री पास हो ii) कन्या रसोई का काम जानती हो
   iii) कन्या मेट्रिक पास हो iv) कन्या सिलाई–कढ़ाई जानती हो
9. 'सिलिया' कहानी में गाँववालों के अनुसार सिलिया का भाग्य इससे खुल जाएगा–
   i) सेठीजी से विवाह करने से ii) आगे पढ़ाई करने से
   iii) काम करके पैसा कमाने से iv) माँ–बाप की सेवा करने से
10. सेठीजी से अपने विवाह की बात सुनकर सिलिया को ऐसा लगा–
    i) भय सा ii) अजीब सा iii) आनंद सा iv) उदासी सा
11. माँ के अनुसार सिलिया को मान–सम्मान ऐसे प्राप्त होगा–
    i) सेठीजी से विवाह करने से ii) नौकरी करने से
    iii) अपनी बिरादरी में विवाह करने से iv) खूब पढ़ने–लिखने से
12. माँ की बातों का सिलिया पर यह प्रभाव पड़ता है–
    i) निराशा होती है ii) आत्मविश्वास जागता है iii) दुःख होता है iv) चिंता होती है
13. 'सिलिया' कहानी में मालती के बाल पकड़कर मारने वाली थी–
    i) उसकी अपनी माँ ii) गाड़रिया स्त्री iii) पड़ोसिन iv) सिलिया

14. रिश्ते में मालती सिलिया की थी–
    i) सगी बहन   ii) चचेरी बहन   iii) ममेरी बहन   iv) सहेली
15. मालती को इस अपराध की सज़ा मिल रही थी–
    i) गाड़री मुहल्ले के कुँए से पानी निकालकर पीने की
    ii) बिना बताए घर से बाहर जाने की
    iii) सिनेमा देखने की
    iv) पड़ोसिन से झगड़ा करने की
16. 'सिलिया' कहानी के अनुसार गाड़री मुहल्ले के अधिकांश घरों में इसका व्यवसाय किया जाता है–
    i) सूत कातकर बेचने का   ii) फल–सब्जी बेचने का
    iii) भेड़–बकरियों को पालने बेचने का   iv) मिट्टी के बर्तन बेचने का
17. 'सिलिया' कहानी की बकरीवाली स्त्री के अनुसार उसकी रस्सी–बाल्टी इस कारण खराब हो गई–
    i) मालती के छूने से   ii) कीचड़ लगने से
    iii) कुत्तों से रौंदे जाने से   iv) ज़मीन पर पड़ जाने से
18. सिलिया इन स्पर्धाओं में प्रथम आई थी–
    i) क्रिकेट और फुटबाल   ii) लम्बी दौड़ और कुर्सी दौड़
    iii) ऊंची कूद और लम्बी कूद   iv) आँख मिचौनी और पतंगबाज़ी
19. सिलिया इस टीम की कैप्टन थी–
    i) फुट बॉल   ii) खॊ–खॊ   iii) क्रिकेट   iv) थ्रो बॉल
20. 'सिलिया' कहानी में चित्रित खो–खो टीम इसके कारण जीती थी_
    i) मालती   ii) हेमलता   iii) सिलिया   iv) खेल–कूद के शिक्षक
21. पाँचवीं कक्षा में सिलिया की सहेली थी–
    i) हेमलता   ii) मालती   iii) चारुलता   iv) सुमलता
22. 'सिलिया' कहानी में हेमलता की मौसीजी इस कारण चौंक गईं–
    i) सिलिया के घर का पता जानकर   ii) सिलिया को हेमलता के साथ देखकर
    iii) हेमलता को आते हुए देखकर   iv) सिलिया की जाति के बारे में जानकर
23. हेमलता की मौसीजी ने सिलिया को पीने के लिए पानी इसलिए नहीं दिया–
    i) सिलिया अछूत कन्या थी   ii) सिलिया ने मना किया था
    iii) पानी खत्म हो गया था   iv) हेमलता ने मना किया था
24. किसी महापुरुष का साथ मिलने से सिलिया इनके लिए कुछ करना चाहती थी–
    i) बच्चों के लिए   ii) पूरे समाज के लिए
    iii) स्त्रियों के लिए   iv) अपने जाति–समुदाय के लिए
25. सिलिया ने मन में दृढ़ संकल्प लिया कि वह–
    i) सेठीजी से विवाह करेगी   ii) बहुत आगे तक पढ़ेगी

iii) आजन्म अविवाहित रहेगी iv) नौकरी करेगी

26. हेमलता की मौसी के इस प्रश्न ने सिलिया को विचलित कर दिया–
i) कौन जात है? ii) कहाँ से आई है? iii) माता–पिता कौन हैं? iv) कब तक रहेगी?
27. सिलिया अपनी जाति के लोगों के प्रति 'दुष्चक्र' इसे मानती है–
i) डंडे को ii) झाड़ू को iii) तलवार को iv) रस्सी को
28. सिलिया के अनुसार उसके समाज का भाग्य बदलने वाली है–
i) कलम ii) तलवार iii) झाड़ू iv) नौकरी
29. सिलिया के अनुसार कठिन से कठिन रास्ता भी इससे पार किया जा सकता है–
i) पैसों से ii) दृढ़ निश्चय से iii) दूसरों की मदद से iv) किस्मत से
30. जहाँ चाह होती है, वहाँ यह खुद बनने लगती है–
i) मदद ii) राह iii) सुविधा iv) साथी
31. 'सिलिया' के अनुसार जात–बिरादरी, समाज और देश की सीमा से भी ऊपर उठने वाले लोग वे होते हैं जिनके पास यह होता है–
i) बड़ी सोच ii) बड़ा घराना iii) बहुत पैसे iv) बड़ी जाति
32. सिलिया को इस संस्था द्वारा सम्मानित किया गया–
i) राजनैतिक संस्था ii) महिला मुक्ति संस्था
iii) प्रतिष्ठित साहित्य संस्था iv) समाज कल्याण संस्था
33. सम्मान समारोह में सिलिया के लिए पानी का गिलास लेकर खड़ी थी–
i) सुन्दर सवर्ण युवती ii) अछूत युवती
iii) उसकी बहन मालती iv) उसकी सहेली हेमलता
34. सिलिया इस आंदोलन की सक्रिय कार्यकर्ता बनी–
i) स्वतंत्रता आंदोलन ii) गरीबी हटाओ आंदोलन
iii) दलित मुक्ति आंदोलन iv) स्त्री मुक्ति आंदोलन

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. हिन्दी अखबार 'नई दुनिया' में छपे विज्ञापन के बारे में लिखिए।
2. गाँव वालों ने सिलिया की माँ को क्या सलाह दी?
3. सिलिया की माँ ने गाँव वालों की सलाह को क्यों नहीं माना?
4. सिलिया के स्वभाव का परिचय दीजिए।
5. सिलिया और मालती के स्वभाव में अंतर स्पष्ट कीजिए।
6. समाज में सम्मान प्राप्त करने के संबंध में सिलिया के क्या विचार थे?
7. हेमलता की मौसी ने सिलिया के साथ कैसा बर्ताव किया?
8. सिलिया ने मन ही मन क्या दृढ़ संकल्प किया?
9. सिलिया के शादी न करके आगे पढ़ने की बात पर माँ और नानी की प्रतिक्रिया कैसी थी?

10. समाज की जातीय व्यवस्था को लेकर सिलिया क्या सोचती है?
11. सिलिया ने अपने संकल्प को किस प्रकार साकार किया?
12. 'सिलिया' कहानी में अभिव्यक्त दलित नारी चेतना का मूल्यांकन कीजिए।
13. 'सिलिया' कहानी का आशय लिखिए।

***

6. दोपहर का भोजन

अमरकांत

I. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए:

1. 'दोपहर का भोजन' कहानी का मुख्य पात्र है–
   i) मनोज   ii) रामचन्द्र   iii) सिद्धेश्वरी   iv) मुंशी जी
2. सिद्धेश्वरी 'हाय राम' कहकर जमीन पर इसलिए लेट गई–
   i) खाली पानी कलेजे से लगने की तकलीफ के कारण ii) पैरों में दर्द होने के कारण
   iii) नींद आने के कारण   iv) विश्राम लेने के लिए
3. 'दोपहर का भोजन' कहानी में प्रमोद को यहाँ लिटाया गया था–
   i) पुराने पलंग पर   ii) अध टूटे खटोले पर
   iii) अध टूटी चारपाई पर   iv) पुराने बिस्तर पर
4. 'दोपहर का भोजन' कहानी के प्रमोद के हाथ–पैर इस तरह थे–
   i) लट्ठे की तरह मज़बूत   ii) खीरे की तरह नाज़ुक
   iii) कमजोर और भद्दे   iv) बासी ककड़ी की तरह सूखे तथा बेजान
5. भिनभिनाती मक्खियों से बचाने के लिए सिद्धेश्वरी ने प्रमोद के मुँह पर यह डाल दिया–
   i) अपना फटा–गंदा ब्लाउज ii) अपनी फटी–पुरानी साड़ी
   iii) फटा–पुराना तौलिया   iv) फटी–पुरानी रज़ाई
6. 'दोपहर का भोजन' कहानी में रामचन्द्र को यह काम करते हुए दिखाया गया है–
   i) मैकेनिक   ii) प्रूफ रीडिंग   iii) अध्यापन   iv) ड्राइवर
7. 'दोपहर का भोजन' कहानी समाज के इस वर्ग का यथार्थ चित्रण है–
   i) उच्च मध्यम वर्ग   ii) जमींदार वर्ग   iii) पूंजीपति वर्ग   iv) निम्न मध्यम वर्ग
8. निम्न में से सत्य कथन ज्ञात करें।
   1. रामचन्द्र ने इंटर तक पढ़ाई करके प्रूफ रीडिंग का कार्य करना शुरू कर दिया।
   2. मनोज अभी पढ़ाई जारी रखे हुए है।
   3. सबसे छोटा बेटा प्रमोद बीमार चल रहा है।
   4. मुंशीजी एक बड़ी कंपनी में कार्य करते हैं।
      i) केवल कथन 2,3,4 सही हैं।   ii) केवल कथन 1,2,3 सही हैं।
      iii) सभी कथन सही हैं।   iv) केवल कथन 1,2,4 सहीं हैं।

9. 'दोपहर का भोजन' कहानी में सिद्धेश्वरी झूठ क्यों बोल रही है?
   i) झूठ बोलना उसकी आदत है। ii) परिवार की एकता बनाए रखने के लिए
   iii) सबको भ्रमित करने के लिए iv) डर के कारण
10. 'दोपहर का भोजन' कहानी के आधार पर बताइए कि सिद्धेश्वरी के चरित्र में निम्न में से कौन सी विशेषता नहीं है?
   i) पारिवारिक एकता का प्रयास करना
   ii) अपनी पीड़ा को भुलाकर परिवार के लोगों का खयाल रखना
   iii) निम्न मधयम वर्गीय परिवार की संघर्षशील नारी iv) स्वार्थ के कारण झूठ बोलना
11. सिद्धेश्वरी के मंझले बेटे का नाम है–
   i) मनोज ii) रामचन्द्र iii) मोहन iv) प्रमोद
12. 'दोपहर का भोजन' कहानी की केन्द्रीय समस्या है–
   i) शोषण ii) बेरोज़गारी iii) प्रदूषण iv) बीमारी
13. सिद्धेश्वरी के सबसे बड़े बेटे का नाम है–
   i) मनोज ii) रामचन्द्र iii) मोहन iv) प्रमोद
14. 'दोपहर का भोजन' कहानी में कौन–सा पात्र बीमार है?
   i) मनोज ii) रामचन्द्र iii) प्रमोद iv) मुंशीजी
15. मोहन ने रसोई की तरफ इस नजर से देखा–
   i) तिरछी ii) रहस्यमयी iii) संतुष्ट iv) मायूस
16. सिद्धेश्वरी के पति चन्द्रिका प्रसाद इस पर बैठकर खाना खा रहे थे–
   i) खटिया ii) मचिया iii) बोरा iv) पीढ़ा
17. 'दोपहर का भोजन' कहानी में रामचन्द्र ने खाने की तरफ इस भाँति देखा–
   i) परीक्षक ii) चिंतक iii) भूखे शेर iv) दार्शनिक
18. सिद्धेश्वरी के छोटे पुत्र प्रमोद ने यह खाने की ज़िद की थी–
   i) रेवड़ी ii) जलेबी iii) लड्डू iv) ढोकला
19. 'दोपहर का भोजन' कहानी में रामचन्द्र रोटी के आखिरी टुकड़े को अपने मुँह में इस प्रकार रखता है–
   i) जैसे पान का बीड़ा हो ii) जैसे कोई लड्डू हो
   iii) जैसे कोई फल हो iv) जैसे भगवान का प्रसाद हो
20. मुंशी चन्द्रिका प्रसाद ने चने के दानों की ओर इस दृष्टि से देखा–
   i) जैसे उनसे नफरत करते हों ii) जैसे उनसे बातचीत करने वाले हों
   iii) जैसे उनसे बाज़ आ गए हों iv) जैसे उन्हें निगल जाने वाले हों
21. सिद्धेश्वरी ने इतनी रोटी खाई–
   i) एक ii) डेढ़ iii) ढाई iv) आधी
22. सिद्धेश्वरी ने आधी रोटी इसके लिए बचा के रखी–
   i) मोहन ii) रामचन्द्र iii) प्रमोद iv) मुंशीजी

23. सिद्धेश्वरी तरकारी इस बर्तन में लेकर खा रही थी–

    i) थाली में   ii) छिपुली में   iii) परात में   iv) लोटे में

24. 'दोपहर का भोजन' कहानी के लेखक का नाम है–

    i) प्रेमचन्द   ii) अमरकांत   iii) विवेकी राय   iv) भीष्म साहनी

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. सिद्धेश्वरी के परिवार का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. सिद्धेश्वरी के परिवार की आर्थिक दशा का परिचय दीजिए।
3. सिद्धेश्वरी ने अपने बड़े बेटे रामचन्द्र से मंझले बेटे मोहन के बारे में क्या झूठ बोला और क्यों?
4. बीमार प्रमोद की हालत कैसी थी?
5. रामचन्द्र का परिचय दीजिए।
6. सिद्धेश्वरी और चन्द्रिका प्रसाद के बीच हुए संवाद पर प्रकाश डालिए।
7. 'सिद्धेश्वरी का अपने परिवार के एक दूसरे सदस्य के विषय में झूठ बोलना परिवार को जोड़े रखने का अनथक प्रयास था।' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
8. रामचन्द्र, मोहन और मुंशीजी खाते समय रोटी न लेने के लिए बहाने बनाते हैं, उसमें कैसी विवशता है? स्पष्ट कीजिए।
9. मंझले बेटे मोहन के रूप रंग और स्वभाव के बारे में लिखिए।
10. सिद्धेश्वरी की आँखों से आँसू क्यों टपक पड़े?
11. मुंशी चन्द्रिका प्रसाद की लाचारी का वर्णन कीजिए।

***